डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

09 मई 2025

शुक्रवार

अलर्ट... पुलिस-प्रशासन और आपदा से जुड़े सभी अफसरों की छुट्टियां रद्द 5

पाकिस्तान की ओर से 15 शहरों में सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश को भारत ने किया नाकाम

पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

OPERATION SINDOOR

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान की तरफ से बड़े मिसाइल और ड्रोन हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया है। भारत की तरफ से जवाबी हमले में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-9 तबाह हो गया है। पाकिस्तान, चीनी एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करता है और पाकिस्तान के पास 80 प्रतिशत से ज्यादा चीनी हथियार है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों में सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की थी। इसके जवाब में भारत की कार्रवाई में लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। पाकिस्तान की तरफ से जम्मू, अवंतीपोरा, अमृतसर, जालंधर, आदमपुर, लुधियाना, पठानकोट, बठिंडा, चंडीगढ़ समेत 15 शहरों पर हमले की कोशिश की थी। भारत ने पाकिस्तान की मिसाइलों को मार गिराया।

पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का उपयोग करते हुए नियंत्रण रेखा के पार अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। भारतीय वायुसेना की एस-400 सुदर्शन चक्र वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली को कल रात भारत की ओर बढ़ रहे लक्ष्यों पर दागा गया। कई डोमेन विशेषज्ञों ने बताया कि अभियान में लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान ने जम्मू, अवंतीपोरा, अमृतसर, जालंधर, पठानकोट समेत 15 शहरों पर की थी हमले की कोशिश

वायुसेना ने एस-400 सुदर्शन चक्र वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली को भारत की ओर बढ़ रहे लक्ष्यों पर दागा

पाकिस्तान के हमले के बाद भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

पाकिस्तान के हमले के बाद भारत ने पाक को मुंहतोड़ जवाब दिया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इन हमलों को एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और और रूस में बने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा बेअसर कर दिया गया। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम 600 किमी दूर तक हवाई खतरों पर नजर रख सकता है और लड़ाकू विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को रोक सकता है। अमृतसर जिले के जेठुवाल गांव में गुरुवार को कुछ जगहों पर धातु का मलबा बिखरा हुआ मिला। यह कहा गया कि ये किसी मिसाइल के हिस्से हैं। जेठुवाल गांव में कुछ खुले खेतों और घरों में धातु के हिस्से ये मिले। मलबा मिलने पर लोगों ने पुलिस को बताया। पुलिस ने सेना को इसकी सूचना दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा, इन हमलों के मलबे अब कई जगहों से बरामद किए जा रहे हैं जो पाकिस्तानी हमलों की पुष्टि करते हैं। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण तीन महिलाओं और पांच बच्चों सहित सोलह निर्दोष लोगों की जान चली गई है। यहां भी, भारत को पाकिस्तान की ओर से मोर्टार और आर्टिलरी की गोलीबारी को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को सेना और इंडियन एयर फोर्स के जांइट ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में 9 जगहों पर प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी कैंपों को तबाह कर दिया। सरकार ने कहा कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ढांचे पर हमला नहीं किया गया था और ना ही किसी भी नागरिक को नुकसान पहुंचाया गया।

पाक के रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर मिसाइल हमला

भारतीय सैन्य बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर में स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर मिसाइल हमला किया। इस हमले में स्टेडियम की छत, वीआईपी बॉक्स और मीडिया गैलरी पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं। भारतीय रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह हमला प्रत्यारोपण केंद्र और आतंकी संवाद मॉड्यूल की आड़ में चल रहे खुफिया गतिविधियों पर लक्षित था। रक्षा मंत्रालय ने इस हमले को सटीक और आवश्यक कार्रवाई बताया।

पाक पीएम ने इस हमले को सीधी युद्ध घोषणा कहा: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले को सीधी युद्ध घोषणा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग की है। पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

रावलपिंडी शहर में कर्फ्यू लगा: रावलपिंडी शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है और नागरिकों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और यूएन प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है।

पाक में दहशत का माहौल

लाहौर में गुरुवार सुबह एक जोरदार बम धमाका हुआ। बताना होगा कि भारत की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके में ताबड़तोड़ एयर स्ट्राइक करने के बाद पड़ोसी देश में दहशत का माहौल है। धमाके की आवाज के बाद लाहौर में सायरन बजने लगे और लोग अपने घरों से निकल आए। इस घटना के कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। यह इलाका लाहौर के पॉश सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट और लाहौर आर्मी कैंटोनमेंट से सटा हुआ है।

पाकिस्तान बोला- जवाब देंगे

पाकिस्तान ने एक बार फिर गीदड़ भभकी दी है कि वह भारत के हमलों का जवाब देगा। भारत ने कहा है कि उसने पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों के खिलाफ एयर स्ट्राइक की है। पाकिस्तान के पंजाब में प्रशासन, सेना और तमाम सरकारी महकमे हाई अलर्ट पर हैं। दुनिया के तमाम देशों ने भारत-पाक से तनाव कम करने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि उम्मीद है कि दोनों देश इस मुद्दे को सुलझा लेंगे और अगर उनकी मदद की जरूरत होगी तो वह इसके लिए तैयार हैं।

सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री बोले... खत्म नहीं हुआ है ऑपरेशन सिंदूर, यह जारी है

सरकार ने बताया कि करीब 100 आतंकी मारे गए हैं

- बैठक में सरकार ने स्पष्ट किया- हम बात को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं, अगर पाकिस्तान करता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के बाद दोनों ओर हलचल बनी हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल जहां पीएम नरेंद्र मोदी से उनके सरकारी आवास पर मिले तो वहीं संसद परिसर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। यह सर्वदलीय बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। विपक्ष ने कार्रवाई पर संतोष जताया और कहा कि वो इस मसले पर सरकार के साथ है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और यह जारी है।

सूत्रों से ये भी सामने आया है कि सरकार ने बताया कि करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। अभी पुख्ता जानकारी नहीं है। अभी गिनती जारी है। हम बात को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं, अगर पाकिस्तान करता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे। सर्वदलीय बैठक के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

हम सभी सरकार के साथः खरगे

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस सांसद और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, बैठक में हमने सुना कि उन्हें (केंद्र को) क्या कहना था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ गोपनीय जानकारी बाहर साझा नहीं की जा सकती। हमने उनसे कहा कि हम सभी सरकार के साथ हैं। बैठक के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। जैसा कि मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, उन्होंने (सरकार ने) कहा कि कुछ चीजें हैं जिन पर हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

टीआरएफ के खिलाफ अभियान चलाया जाएः ओवैसी- एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने बैठक के बाद कहा, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए अपने सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। मैंने यह भी सुझाव दिया कि हमें रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को अमेरिका से इसे (टीआरएफ) आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करने का अनुरोध करना चाहिए।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों को मार गिराने का किया झूठा दावा

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों को मार गिराने का झूठा दावा किया है। इसे लेकर जब भारतीय विदेश सचिव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसमें हैरान होने वाली कोई बात नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से ऐसा करता रहा है। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के झूठ का भी जिक्र किया।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बनी है, लेकिन अब इसमें पुराने मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं। पाकिस्तान के भारतीय विमानों को मार गिराने के झूठे दावे पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। आखिरकार, यह एक ऐसा देश है, जिसमें जन्म के साथ ही झूठ बोलना शुरू हो गया था। 1947 में, जब पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर पर दावा किया, तो उन्होंने किसी अनजान व्यक्ति से नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र से झूठ बोला कि हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए यह यात्रा 75 साल पहले शुरू हुई।

भारत ने पाकिस्तान के तीन लड़ाकू विमान और कई मिसाइलों को मार गिराया

- भारत पर लगातार हो रहे हमले को देखते हुए जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान के कई इलाकों को किया गया ब्लैक आउट
- सुरक्षा की दृष्टि से धर्मशाला में चल रहे आईपीएल के मैच को किया गया रद्द, स्टेडियम को खाली करने का निर्देश

एजेंसी/नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले कर रहा है। पाकिस्तान ने देर शाम जम्मू, पंजाब और राजस्थान के कई रिहायशी इलाकों और एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले की कोशिश की, लेकिन भारत ने सबको मार गिराया। इसके अलावा भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के एक F-16, एक JF-17 और एक J17 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। वहीं भारत ने पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को भी मार गिराया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान ने जैसलमेर में मिसाइल हमला किया है। पाकिस्तान की तरफ से लगातार मिसाइलें दागी जा रही हैं। कई ड्रोन हमले भी किए गए हैं। भारत का एयर डिफेंस सिस्टम सभी हमलों को नाकाम कर रहा है। पाकिस्तानी हमले के बाद पूरे शहर में ब्लैकआउट कर दिया गया है। जैसलमेर में हमले के बाद बीकानेर और जोधपुर में भी ब्लैक आउट कर दिया गया है। ब्लैक आउट में पूरे शहर की बिजली काट दी जाती है। साथ ही लोगों को पहले ही ट्रेनिंग दी जा चुकी है कि ऐसे ब्लैक आउट के समय किसी भी तरह की रोशनी न जलाएं। जैसलमेर पर हमले से ठीक पहले पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में भी कई जगह मिसाइल से हमला किया। पाकिस्तानी हमले के बाद जम्मू कश्मीर में भी ब्लैक आउट कर दिया गया। भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी मिसाइलों को मार गिराया। हालांकि, प्रशासन ने एहतियातन पूरे जैसेलमेर में बिजली काट दी है।

सीमा पर गोलीबारी जारीः पाकिस्तान ने राजस्थान, जम्मू और पंजाब में मिसाइल हमला करने के साथ ही सीमा पर गोलीबारी भी शुरू कर दी है। भारतीय सेना भी बराबरी से जवाब दे रही है। सीमा पर दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है। भारत की तरफ से जम्मू एयरपोर्ट से लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी है। पाकिस्तान के हमले को देखते हुए जम्मू कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के कई इलाकों को ब्लैक आउट किया गया है।

पाकिस्तान ने अब तक जम्मू, पंजाब और राजस्थान के कई इलाकों में ड्रोन हमले किये हैं। पाकिस्तान ने भारत में लड़ाकू विमानों से हमला करने की भी कोशिश की जिसे सेना ने नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान की तरफ से लगातार हो रहे अटैक को देखते हुए श्रीनगर में बिजली की सप्लाई रोक दी गई है। धर्मशाला में दिल्ली और पंजाब के बीच जारी आईपीएल मैच को एहतियातन रोक दिया गया है। स्टेडियम को ब्लैकआउट कर दिया गया है। एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के असभी हमलों को नाकाम कर दिया है।

14325 करोड़ रु. के फर्जी जीएसटी बिल घोटाला मामले में देश भर के नौ ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 14,325 करोड़ रु. के फर्जी जीएसटी बिल घोटाले का पदार्फाश करते हुए कोलकाता, रांची और जमशेदपुर सहित देशभर के नौ ठिकानों पर छापेमारी की है। इन जगहों में आरोपियों के दफ्तर, घर और अन्य संदिग्ध ठिकाने शामिल थे। छापेमारी के दौरान ईडी ने कई अहम दस्तावेज, कंप्यूटर डाटा, बैंक खातों की जानकारी और अघोषित संपत्तियों के सबूत जब्त किए। जानकारी के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपियों अमित गुप्ता, सुमित गुप्ता और शिव कुमार देवड़ा पर फर्जी बिलों के जरिए 800 करोड़ से ज्यादा का इनपुट टैक्स क्रेडिट हड़पने का आरोप है। इन तीनों के साझेदार रहे जमशेदपुर के जुगसलाई के व्यवसायी विक्की भालोटिया के घर पर भी ईडी ने दबिश दी है। ईडी ने धनशोधन निरोधक कानून (पीएमएलए), 2002 के तहत कार्रवाई करते हुए कई दस्तावेज, डिजिटल डाटा और अघोषित संपत्तियां जब्त की हैं। पूर्व की जांच में जमशेदपुर के बबलू जायसवाल और विक्की भालोटिया का नाम भी पहले सामने आ चुका है, जिन पर इस घोटाले में शामिल होने का आरोप है। कुछ दिन पहले अमित गुप्ता, सुमित गुप्ता और शिव कुमार देवड़ा को जमशेदपुर की अदालत में भी पेश किया गया था। यह कार्रवाई गुरुवार को शुरू हुई और जांच अभी जारी है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में राष्ट्रपति ने लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की दी मंजूरी

एजेंसी/हैदराबाद

जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि द्रौपदी मुर्मू ने सीआरपीसी की धारा 197(1) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। जमीन के बदले रेलवे में नौकरी घोटाले की जांच ईडी कर रही है। ईडी ने पिछले साल अगस्त में 76 वर्षीय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव, उनके बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। एजेंसी ने सीबीआई द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर मनी लॉड्रिंग कस मामला दर्ज किया था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान की ओर से साइबर हमले का खतरा बढ़ा

टेलीकॉम कंपनियों को नेटवर्क ज्यादा सुरक्षित बनाने का निर्देश

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत द्वारा पाकिस्तान में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद दूरसंचार विभाग ने सभी सरकारी और निजी टेलीकॉम कंपनियों को आपदा के स्तर की तैयारियों करने का निर्देश दिया है। दूरसंचार विभाग ने कंपनियों को अपने नेटवर्क को ज्यादा सुरक्षित बनाने की बात भी कही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान की ओर से साइबर हमले का खतरा बढ़ गया है। इसी वजह से टेलीकॉम विभाग ने टेलीकॉम कंपनियों को ये आदेश दिए हैं। दूरसंचार मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से टेलिकॉम कंपनियों को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 100 किलोमीटर के अंदर बीटीएस जगहों के बिना किसी रुकावट के कामकाज को जारी रखने के लिए कहा है। वहीं, टेलीकॉम कंपनियों को बिना किसी समस्या के कनेक्टिविटी को बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। विभाग ने सभी कंपनियों को राज्य और जिला स्तर के आपातकालीन संचालन केंद्रों की कनेक्टिविटी को बनाए रखने पर जोर दिया है।

दूरसंचार विभाग ने अपने आदेश में सभी प्राइवेट और निजी टेलीकॉम कंपनियों को अपने कनेक्टिविटी सुधारने की बात कही है। इसके लिए कंपनियों को आपस में मिल कर काम करने को भी कहा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई बैठक में टेलिकॉम कंपनियों को बॉर्डर के इलाकों में नेटवर्क कनेक्टिविटी पर खासा ध्यान देने को कहा गया है। इसके अलावा इन कंपनियों को उन जगहों की लिस्ट बनाने के लिए भी कहा गया है जिन्हें आपात स्थिति में हर हाल में चालू रखा जा सके। विभाग ने अपने आदेश में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वो 2020 के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को कड़ाई से पालन करें। इसे तत्काल प्रभाव से माना जाना चाहिए और आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा मंत्रालय ने दूरसंचार विभाग के सभी एलएसए प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वो राज्य सरकारों से बात करके इमरजेंसी की स्थिति में टेलीकॉम कंपनियों के लॉजिस्टिक के मूवमेंट्स को आसान बनाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पीएनसी की लापरवाही से 14 घंटे तक सड़क पर खड़ी रही दुर्घटनाग्रस्त टेलर, लगा जाम

- एक लेन पर पहले से ही लगी थी ट्रकों की लंबी लाईन, दुर्घटना के बाद दूसरा लेन जाम होने से एनएच 922 पर पूरी रात ट्रैफिक में फंसे रहे वाहन चालक
- पुलिस से बोले टोलकर्मी... नियमों व सुरक्षा से टोल कर्मियों को कोई मतलब नहीं

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

बुधवार की मध्य रात्रि पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर एक भीषण हादसे में एक टेलर चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया, वहीं उसका वाहन भी क्षतिग्रस्त हो बीच सड़क पर फंस गया था। इस हादसे के बाद नया भोजपुर थाने की पुलिस ने आनन फानन में जख्मी टेलर चालक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन दुर्घटना ग्रस्त टेलर बीच सड़क पर ही छूट गई थी। जिस कारण पूरी रात एनएच 922 पर जाम लगा रहा तथा वाहन चालक काफी परेशान हुए। इस दौरान स्थानीय पुलिस की आरजू मिन्नत का असर भी पीएनसी कंपनी से जुड़े टोल कर्मियों पर नहीं हुआ तथा टोल कर्मियों ने स्पष्ट कहा कि हमारी जिम्मेवारी सिर्फ टोल टैक्स वसूलना है। इस दौरान देर तक पुलिस व टोल कर्मियों के बीच बातचीत होते रही, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकला। इधर दोनों लेन जाम होने से वाहन चालकों की खासी फजीहत हुई। बता दें कि बुधवार की रात जोरदार लग्न था। जिस कारण देर रात से लेकर सुबह तक बारात से लौटने वाले लोग भी घंटो फंसे रहे। जानकारी के अनुसार गुरूवार की दोपहर करीब 12 बजे तक उक्त टेलर वहीं पर खड़ी थी।

अब पूरा मामला समझिए: बुधवार की एनएच 922 के दक्षिणी लेन में ट्रकों की लंबी लाईन लगी थी। इसी दौरान एक टेलर चालक प्रताप सागर से ही खाली पड़े उत्तरी लेन से अपना वाहन लेकर जाने लगा। रात करीब 11.30 बजे दल सागर स्थित टोल प्लाजा के से करीब 200 मीटर पहले सामने खड़ी एक टेलर में उसकी टक्कर हो गई। इस घटना में टेलर चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया तथा उसकी दुर्घटनाग्रस्त वाहन वहीं खड़ी हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गई।

टोलकर्मी बोले... टेलर को सड़क से हटवाने की जिम्मेवारी हमारी नहीं

इधर एक लेन पहले से ही ट्रकों के खड़ा रहने से जाम था, वहीं दुर्घटना के बाद दूसरा लेन भी जाम हो गया। इसके बाद वाहन चालकों को काफी परेशनी हुई। इधर पुलिस टोल प्लाजा पहुंच पीएनसी के कर्मियों से दुर्घटना ग्रस्त टेलर को हटाने की बात कही, लेकिन टोल प्लाजा के कर्मियों ने कहा कि हमारी जिम्मेवारी सिर्फ टोल प्लाजा पर टैक्स वसूलने का है। इधर पुलिस तर्क दे रही थी कि पीएनसी के पास एंबुलेंस से लेकर सड़क दुर्घटना में टूटे-फूटे वाहनों को हटाने तक का संसाधन मौजूद है। वह संसाधन टोल टैक्स के पास होना चाहिए, लेकिन टोल कर्मियों पर इसका कुछ भी असर नहीं पड़ा। नया भोजपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमार गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन टोलकर्मी सिर्फ यही जबाव देते रहे कि दुर्घटनाग्रस्त टेलर को सड़क से हटवाना मेरी जिम्मेवारी नहीं है। आप पेट्रोलिंग टीम से बात कर लीजिए। इसके बाद प्रभारी थानाध्यक्ष ने पेट्रोलिंग टीम को कॉल किया, लेकिन वहां से जानकारी मिली कि क्रेन का चालक मौजूद नहीं है। फोन कॉल को ऊपर के विभाग में ट्रांसफर किया गया, लेकिन उसके बावजूद 14-15 घंटे बीत जाने के बाद तक ट्रक को मौके से नहीं हटाया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष ने कहा कि यदि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को समय पर साइड नहीं कराया गया तो पीछे से आने वाला कोई और ट्रेलर इसमें टकरा सकता है और इससे एक और सड़क दुर्घटना हो सकती है। टोल कर्मियों की यह लापरवाही स्पष्ट रूप से एक गंभीर प्रशासनिक विफलता है, विशेषकर तब, जब टोल से प्रतिदिन लाखों रुपये वसूले जाते हैं।

यूपी व बक्सर प्रशासन के बीच हुई वार्ता का नतीजा बेअसर : बता दें कि कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के कोरंटाडीह में बक्सर व यूपी प्रशासन के बीच बैठक हुई थी। जिसमें यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी मौजूद रहे। इस बैठक में तय किया गया था कि ट्रैफिक जाम और दुर्घटना के बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने के लिए क्रेन सेवा को हमेशा अलर्ट मोड पर रखा जाएगा। ताकि यदि कोई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो या खराब हो जाए तो उसे तुरंत हटाया जा सके और जाम नहीं लग पाए। लेकिन दलसागर टोल प्लाजा की ऐसी लापरवाहियां यह साबित करती हैं कि इन यह महत्वपूर्ण नियम धरातल पर नहीं उतर सका है। इससे आम जनता को परेशानी हो रही है।

11 मई को होने वाले परिचारी परीक्षा के लिए डीएम व एसपी ने की संयुक्त ब्रिफिंग, दिए कई दिशा निर्देश

परीक्षार्थियों को आयोग की तरफ से मिलेगा पेन, चप्पल पहनकर देनी होगी परीक्षा : डीएम

- शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराए परिचारी की परीक्षा : डीएम
- इजाजत, सघन तलाशी अभियान के बाद मिलेगा प्रवेश

केटी न्यूज/बक्सर

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की देखरेख में कार्यालय परिचारी के लिए प्रारंभिक परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण के लिए गुरुवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी की संयुक्त ब्रीफिंग समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई।यह परीक्षा 11 मई को दोपहर 12 से दो बजे तक एकल पाली में आयोजित की जायेगी। परीक्षा में कुल 7406 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इस परीक्षा बक्सर जिलांतर्गत कुल 13 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की जायेगी। डीएम ने बताया कि महिला अभ्यर्थियों की तलाशी के लिए 13 महिला पर्यवेक्षिका एवं महिला पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं, कुल 20 प्रतिनियुक्त स्टैटिक दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी, 13 केन्द्र प्रेक्षक व पुलिस पदाधिकारी, आठ पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट दल दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी, चार उड़न दस्ता दल दण्डाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी, तथा जिला स्तर पर एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के समीप बनाया गया है हेल्पलाईन : डीएम ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर जाने एवं समुचित मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाईन काउन्टर बनाए गए है। यह हेल्प लाईन काउंटर 11 मई को सुबह से रेलवे स्टेशन, बक्सर, नया बस अड्डा, बाईपास रोड के समीप कार्यरत रहेगा। जो परिचारी परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र के रूट चार्ट सहित कई अन्य जरूरी जानकारियां देगा।

11 बजे के बाद परीक्षार्थियों को नहीं दिया जाएगा प्रवेश : डीएम ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र के अंदर सुबह नौ बजे से 11 बजे तक प्रवेश दिया जायेगा। 11 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में परीक्षार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्र पर तीन स्तर पर परीक्षार्थियों की जांच की जायेगी। प्रथम स्तर पर परीक्षा केन्द्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर। द्वितीय स्तर परीक्षा पर कक्ष के द्वार पर एवं तृतीय स्तर पर परीक्षा कक्ष में बैठने के बाद परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी। यह तलाशी अभियान 11 बजे से 11.45 बजे तक चलेगा। द्वितीय एवं

तृतीय स्तर का तलाशी संबंधित वीक्षकों के द्वारा किया जाएगा। महिलाओं की तलाशी महिला कर्मियों द्वारा अलग से की जाएगी।

डीएम ने स्टैटिक मजिस्ट्रेट को दी जिम्मेवारी : डीएम ने स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया कि परीक्षा से एक दिन पहले आवंटित केन्द्र पर पहुंचकर केन्द्राधीक्षक से संपर्क कर यह सुनिश्चित कर ले कि परीक्षा के स्वच्छ, कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संचालन के लिए सभी पूर्व व्यवस्थाएं पूरी की ली गई हैं, जैसे परीक्षा केन्द्र पर जैमर लगाने, सीट प्लान, बिजली, पानी, शौचालय आदि। पर्याप्त संख्या में कक्ष व हॉल में जैमर लगाने एवं जैमर चालू कराकर टेस्ट कराना होगा।

परीक्षा कक्ष में स्मार्ट फोन नहीं ले जा सकेंगे वीक्षक : डीएम ने पुनः बताया कि परीक्षा संचालन में संलग्न कर्मियों, वीक्षकों तथा केन्द्राधीक्षक को भी किसी भी परिस्थिति में परीक्षा कक्ष में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। केन्द्राधीक्षक को सिर्फ कीपैड वाला एक मोबाइल फोन लाने की अनुमति होगी। वीक्षक किसी भी हालत में परीक्षा कक्ष में स्मॉर्ट फोन नहीं ले जाएंगे। डीएम ने उड़नदस्ता दल दंडाधिकारी को निर्देश दिया कि 11 मई को सुबह नौ बजे से शाम 3.30 बजे तक अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे। परीक्षा स्वतंत्र, निष्पक्ष, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित कराने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे साथ ही आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर सभी पदाधिकारी ससमय कर्त्तव्य स्थल पर उपस्थित होंगे एवं आयोग के मार्गदर्शिका के आलोक में परीक्षा सम्पन्न करायेंगे। उक्त दल परीक्षा केन्द्रों के भ्रमण के दौरान परीक्षा कक्ष में औचक रूप से परीक्षार्थियों की जांच करेंगे। उड़नदस्ता दल के प्रमुख अनुचित साधनों, भ्रष्ट आचारण में लिप्त अभ्यर्थियों के खिलाफ परीक्षा हॉल के वीक्षकों, केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्ति केन्द्र प्रेक्षक को सूचित करते हुये तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

डीईओ वीक्षकों को दे बिहार कर्मचारी चयन आयोग के गाइड लाइन की जानकारी : डीईओ को निर्देश दिया गया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रतिनियुक्त होने वाले वीक्षकों का अनुमोदन बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा दिये गये निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन करेंगे। सभी केन्द्राधीक्षकों की बैठक बुलाकर परीक्षा संचालन निर्देश में दिये गये निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपने स्तर से भी निर्देशित करेंगे। उन्होंने वीक्षकों को बिहार कर्मचारी चयन आयोग के गाइड लाइन से अवगत कराने को कहा। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी की संख्या के अनुरूप बेंच-डेस्क आदि की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित करायेंगे। परीक्षार्थियों की सिटिंग व्यवस्था तथा सीट प्लानिंग की सूची परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर तथा प्रत्येक परीक्षा कक्ष के बाहर प्रदर्शित करायेंगे। अभ्यर्थी को अपनी पहचान के लिए एक फोटोयुक्त पहचान-पत्र साथ लेकर उपस्थित होना है। इसके अतिरिक्त कोई कागजात या कलम लेकर प्रवेश वर्जित रहेगा।

दिव्यांग अभ्यर्थियों को लाना होगा दिव्यांगता प्रमाण पत्र : दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए दिव्यांगता प्रमाण-पत्र मूल में लाना अनिवार्य है। परीक्षार्थियों को पेन लेकर नहीं आना है। परीक्षार्थी को कलम आयोग की तरफ से उपलब्ध कराया जायेगा। परीक्षा कक्ष में ही अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गए पेन दी जायेगी। अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर चप्पल पहन कर आयेंगे।

यदि जुता पहनकर आते है तो जुता खोलकर ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के बाद परीक्षा समाप्ति और ओएमआर सीट जमा करने के बाद ही बाहर जाने की अनुमति होगी। परीक्षा प्रारंभ होने के तीन घंटा पूर्व से उम्मीदवारों की संघन तलाशी के साथ प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों के ई एडमिट कार्ड पर छपे फोटो एवं पहचान-पत्र के साथ मिलान करते हुए परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। परीक्षार्थी इलेक्ट्रानिक गजट लेकर नहीं जाएंगे।

विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रखंड में चल रही हैं 25 योजनाएं

- 15 वें वित्त आयोग के टाइड एवं अनटाइड मद में कुल 25 योजनाएं संचालित हो रही
- पंचायत समितियों को कुल 1 करोड़ 59 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड के 21 पंचायत समितियों में योजनाओं का क्रियान्वित किया जा रहा है। जिनका उद्देश्य ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना है। बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि सभी पंचायत समितियों में योजनाओं का संचालन समान रूप से किया जा रहा है और कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि गुणवत्तापूर्ण परिणाम हो सकें। 15वें वित्त आयोग के टाइड एवं अनटाइड मद में कुल 25 योजनाएं संचालित हो रही हैं। इस मद में पंचायत समितियों को कुल 1 करोड़ 59 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी। अब तक इनमें से 73 लाख 35 हजार रुपये योजनाओं पर खर्च किए जा चुके हैं, जो कुल आवंटन का 46ः है। बीडीओ ने बताया कि इस मद से पेयजल, नाली निर्माण, सड़क मरम्मत, सामुदायिक भवनों के जीर्णोद्धार जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शेष राशि का उपयोग तय समयसीमा में किया जाएगा ताकि कोई भी धनराशि लैप्स न हो। षष्ठम वित्त योजना के तहत डुमरांव प्रखंड को कुल 2 करोड़ 6 लाख 38 हजार रुपये की राशि आवंटित हुई थी। इसमें से 1 करोड़ 7 लाख रुपये विशेष रूप से बीपीआरसी (ब्लॉक पंचायत सरकार भवन) निर्माण के लिए निर्धारित थे। हालांकि, विभागीय निर्णय के तहत यह राशि वापस ले ली गई, जिससे इस मद में अब शेष राशि में से 25 योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं पर अब तक 46 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जबकि शेष करीब 53 लाख रुपये के कार्यों का संचालन वर्तमान में जारी है।

समान रूप से योजनाओं का क्रियान्वयन : बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने बताया कि सभी पंचायत समितियों में योजनाओं का संचालन समान रूप से सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा,हमारी प्राथमिकता है कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पंचायत तक पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न हो। इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है। प्रखंड स्तर पर नियमित निरीक्षण और प्रगति रिपोर्ट तैयार की जा रही है ताकि कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने बताया की चुनौतियों के बावजूद प्रगति हो रहा है। कभी-कभी मौसम, तकनीकी समस्याओं या संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां आती हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ने अब तक सराहनीय प्रगति दिखाई है। ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत कई पंचायतों में सड़क निर्माण, जल निकासी, सामुदायिक केंद्रों का नवीनीकरण, पेयजल आपूर्ति जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। बीडीओ ने बताया कि विभागीय स्तर पर जो भी धनराशि या योजनाएं लंबित हैं, उनके क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जा रही है। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी पंचायत की जरूरतों के हिसाब से प्राथमिकता तय कर कार्य प्रस्ताव विभाग को भेजें ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके। वहीं दूसरी ओर इस बात की संभावना व्यक्त की जा रही है कि राज्य सरकार की ओर से बड़े पैमाने पर राशि खर्च की जा रही है। ताकि विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल को मदद मिल सके। पुनः उनकी पार्टी की जीत हो।

घर-घर जाकर कांग्रेस का झंडा देंगे कार्यकर्ता: मनोज पांडेय

- बक्सर में आयोजित हुई कांग्रेस के पदाधिकारियों व प्रखंड अध्यक्षों की बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय की अध्यक्षता में प्रखंड प्रभारी, प्रखंड पर्यवेक्षक तथा प्रखंड अध्यक्षों की बैठक जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में नवनियुक्त प्रभारी एवं पर्यवेक्षक को घर-घर जाकर कांग्रेस का झंडा देने, समुदाय बैठक, महिला शक्ति सभा प्रत्येक प्रखंड एवं प्रत्येक पंचायत में करने का निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटि एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटि के निर्देश पर लिया गया।सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं प्रभारी पर्यवेक्षक को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस का झंडा वितरण कर हर घर झंडा कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्देश दिया गया साथ ही महिला शक्ति संवाद एवं समुदाय सभा, जन आक्रोश चौपाल हर गांव में करके वहां की समस्याओं को अंकित करना एवं निदान के लिए कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया गया। सभी कार्यक्रमों में अखिल भारतीय कांग्रेस के प्रभारी मनीष पटेल उपस्थित रहेंगे।बैठक में बिहार प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. प्रमोद ओझा, विनय सिंह, कामेश्वर पांडे, इं राम प्रसाद द्विवेदी, संजय कुमार पांडे, महिमा शंकर उपाध्याय, वीरेंद्र राम, त्रिलोकी नाथ मिश्र, निर्मला देवी, राजा रमन पांडे, राजू वर्मा, अजय ओझा, मनीष चौबे, राजेंद्र दुबे उर्फ बंगाली दुबे, जयराम राम, रोहित उपाध्याय, अभय मिश्र, डॉ. चंद्रशेखर पाठक, लाल बाबू मिश्रा, शिवाकांत मिश्रा, संजय दुबे उर्फ पप्पू दुबे, नीलू मिश्रा, मनीष चौबे, तारकेश्वर शुक्ला, गुप्तेश्वर चौबे, कार्यालय प्रभारी अजय यादव, इरफान खान सहित सभी अन्य मौजूद थे।

डुमरांव में नप की बड़ी कार्रवाई जब्त की गई 92 किलो पोलिथिन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद द्वारा गुरुवार को राजगोला मंडी में प्लास्टिक के उपयोग और बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। स्वच्छता पदाधिकारी राजीव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने राजमंडी में छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें एक होलसेल दुकान जिसका नाम चंपक कुमार उसके यहां से 92 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग जब्त किए गए।

स्वच्छता पदाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान पकड़े गए दुकानदार से तत्काल दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अधिकारी ने मौके पर उपस्थित व्यापारियों को सख्त चेतावनी दी कि भविष्य में प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग की बिक्री या भंडारण पाया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें और भारी जुमार्ना तथा कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। स्वच्छता पदाधिकारी ने कहा कि यह छापेमारी सिर्फ शुरूआत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की कार्रवाई पूरे सप्ताह लगातार चलती रहेगी, ताकि डुमरांव नगर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके।

पुलिस ने सड़क से लेकर होटल तक चलाया सर्च अभियान, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर भी रखी जा रही है कड़ी नजर

बोले एसपी... जिले में हाई अलर्ट, आने-जाने वालों पर रहेगी पैनी नजर

- सिपाही से लेकर सभी पुलिसकमीर्यों की छुट्टी अगले आदेश तक बंद

केटी न्यूज/बक्सर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बक्सर जिले में होटल से लेकर सड़क मार्ग तक सर्च अभियान चलाया गया। अचानक पुलिस के द्वारा कड़ाई से वाहन जांच अभियान से पुरे शहर में हड़कम्प मच गया। जिसका नेतृत्व एसपी शुभम आर्य स्वयं कर रहे थे। इस दौरान लगभग एक हजार से अधिक गाडियों को सर्च किया गया। सभी आने-जाने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस बल ने कड़ाई के साथ दुपहिया वाहन और चार पहिया वाहन की जांच की गई। इस दौरान वाहन सवारों की भी जांच की गई। अचानक से कई चौराहों पर एक साथ वाहन जांच की सूचना मिलते ही शहर में हड़कम्प मच गया। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बिहार पुलिस ने राज्य के सभी जिलों के संवेदनशील स्थल के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशनों और अन्य महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिसके तहत सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान होटल में ठहरे लोगों की आईड़ी चेक गयी। वहीं बाइक व चार पहिए वाहन से आने-जाने वालों को जांच की गयी। कहीं ये संदिग्ध तो नही है। बक्सर की सुरक्षा में कोई खलल न पड़े या बक्सर के रास्ते से कोई देश विरोधी गतिविधी न हो। इस लिए ये जिले के सभी चौक-चौराहों पर सर्च अभियान चलाया गया। बक्सर पुलिस ने भी पाकिस्तान समर्थक आतंकी संगठनों की गतिविधियों को देखते हुए जिलें में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एसपी शुभम आर्य ने कहा कि हम लोग पूरी तरह से तैयार हैं और जिले के अंदर आने जाने वालों की कड़ी जांच की जा रही है। मुख्यालय की ओर से सभी पुलिसकर्मियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एसपी शुभम आर्य ने आम जनता से अपील की है कि वह किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 112 और स्थानीय थानों के संपर्क नंबर जारी किए हैं। एसपी शुभम आर्य ने सभी थानों को यह आदेश दिया है कि वे होटल, लॉज, धर्मशाला और मुसाफिरखाना जैसे स्थानों पर ठहरने वाले लोगों की नियमित जांच करें। अंतर-जिला सीमाओं पर बने चेकपोस्ट पर जांच का निर्देश दिये है। ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत रोका जा सके। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि देश की सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रकार के अवकाश को बंद करने का निर्देश जारी किया गया है। निर्देश 8 मई से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। जिला में विधि-व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सद्भाव बनाये रखने हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्णय लिया गया है। विशेष परिस्थिति में पुलिस कर्मियों को अवकाश प्राप्त होगा इसके लिए विभाग द्वारा मानक तैयार किया गया है।

गंगौली मुखिया व पुलिस कर रहे हैं मनमानी : रामबहादूर

केटी न्यूज/डुमरांव

मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय परिषद सदस्य सह बक्सर जिलाध्यक्ष राम बहादूर सिंह ने एक प्रेस बयान जारी कर सिमरी प्रखंड के गंगौली पंचायत के मुखिया व स्थानीय पुलिस पर मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि इसकी शिकायत मानवाधिकार से की जाएगी। उन्होंने बताया कि गंगौली निवासी प्रकाश नारायण पांडेय की रैयती जमीन कोईलवर तटबंध के समीप है। उनकी रैयती जमीन राजस्व थाना 66, खाता संख्या 390 के प्लाट संख्या 428 व 429 में कुल 102 डिसमील जमीन थी, जिसमें 61 डिसमील बांध जाने के बाद शेष 41 डिसमील जमीन बची है, जो इनकी रैयती जमीन है, लेकिन इस जमीन पर पंचायत के मुखिया द्वारा पहले बलपूर्वक नाली बनाया गया था, जिसे अनुमंडल लोक शिकायत के निर्देश पर तत्कालीन सिमरी बीडीओ शशिकांत शर्मा ने तोड़वा दिया था। सिंह ने बताया है कि 23 मार्च 2023 को डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा फिर से मापी कराई गई है। वहीं, सीओ द्वारा उनके रैयती भूखंड पर पीलर गड़वाया गया था, लेकिन जब वे अपनी जमीन में निर्माण करने पहुंचे तो पंचायत के मुखिया द्वारा निर्माण कार्य से रोका गया। मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के जिलाध्यक्ष ने बताया है कि इसके बाद वे इस संबंध में स्थानीय थाने में एफआईआर करने गए थे।

पीड़ित मानवता की सेवा में तत्पर रहने वाली संस्था है रेडक्रॉस : डीएम

◆ रेडक्रॉस दिवस पर बक्सर में आयोजित हुए कई कार्यक्रम, जिलाधिकारी ने झंडतोलन कर किया उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर

रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा ने विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डीएम सह रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अंशुल अग्रवाल पे झंडा तोलन कर किया। वहीं, इस मौके पर रक्तदान शिविर स्वास्थ्य जांच शिविर एवं महिला एवं बच्चों के निःशुल्क टीकाकरण शिविर का उद्घाटन डीएम ने किया। इसके बाद आयोजित संगोष्ठी का विधिवत उद्घाटन सोसाइटी के संस्थापक डोनाल्ड हेनरी के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पण कर किया गया एक कदम मानवता की ओर थीम के पर वक्ताओं ने अपनी बातें रखी। वहीं अतिथियों के स्वागत क्रम में रेडक्रॉस के चेयमैन सुरेश अग्रवाल ने डीएम का स्वागत किया। सौरव तिवारी उपाध्यक्ष के द्वारा सिविल सर्जन का स्वागत किया गया, जबकि कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने नगर परिषद के चेयरमैन कमरून निशा फरीदी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रेडक्रॉस के सचिव डॉ श्रवण कुमार तिवारी ने किया। सचिव ने रेडक्रॉस के बीते वर्ष के किए गए कार्यों की विवरणी डीएम एवं समस्त रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों के बीच प्रस्तुत किए और आगे की कार्य योजना की रूपरेखा भी बताई। अपने संबोधन में डीएम रेडक्रॉस सोसायटी के आपदा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य, रक्तदान शिविर का सफल आयोजन कराए जाने के लिए सोसायटी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों की सराहना करते हुए इसमें और बल देने की बात कही। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी पीड़ित मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहने वाली संस्था है इससे जुड़कर युवा एवं युवती समाज सेवा खासकर पीड़ित मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा सकते है। रेडक्रॉस से युवाओं को नई ऊर्जा मिलती है। डीएम ने रेडक्रॉस के कार्यों की जमकर सराहना की और कहा कि रेडक्रॉस पीड़ित मानवता की सेवा में हमेशा सबसे आगे रहा है। बक्सर में इसका काम प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में आपदा प्रभारी राजीव सिंह, राज्य प्रतिनिधि सचिन कुमार राय, सत्येंद्र सिंह, ओमजी यादव, अनिल केजरीवाल, मनोज कुमार राय, अविनाश जयसवाल, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज पांडे, डॉ पीके पांडे, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि परमा यादव, विद्यासागर चौबे, कामेश्वर पांडे, कांग्रेस नेता रविकांत ओझा, पप्पू मिश्रा, रोटरी के मनोज केसरी, एवं पूर्व सैनिक संघ के कई सदस्य मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने किया।

मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है रेडक्रॉस : एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला उप शाखा डुमरांव के तत्वावधान में गुरुवार को अनुमंडल मुख्यालय स्थित सभागार कक्ष में रेड क्रॉस दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रेड क्रॉस के संस्थापक जॉन हेनरी डष्टुनैंट के तैल्चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर की गई। इस दौरान उपस्थित सभी अतिथियों ने संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, डीसीएलआर शहजाद अहमद, राज परिवार के मान विजय सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक सचिव मोहन गुप्ता ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक शशि कुमार मनीष ने किया। अपने संबोधन में एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था संकट और आपदा की घड़ी में मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस न सिर्फ देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही है। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने युवाओं को रेड क्रॉस की गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया, ताकि समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। डीसीएलआर शहजाद अहमद ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था के कार्यों को और विस्तार देने के लिए स्थानीय स्तर पर और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार शशांक शेखर उपाध्याय ने मंच से रेड क्रॉस के स्थानीय कार्यालय की व्यवस्था को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी से विशेष ध्यान देने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि डुमरांव जैसे क्षेत्र में जहां आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सहायता की जरूरत हमेशा बनी रहती है, वहां रेड क्रॉस का प्रभावी संचालन अत्यंत आवश्यक है।इस अवसर पर कार्यवाहक सचिव मोहन गुप्ता ने सभी अतिथियों का बुके देकर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में ब्रह्मा ठाकुर, अनिता यादव, अमित कुमार, प्रोमद जयशवाल, आनंद पांडेय, अभिनयानंद पांडे, अमरीश पाठक, राजकुमार एम. डी., वालिद अंसारी, शैलेश कुमार ओझा, आनंद शर्मा, कृष्ण प्रसाद, विश्वेश्वर सिंह, डॉ. राजेश कुमार, रमेश प्रसाद केसरी, प्रदीप शरण समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, शिक्षक सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव प्रखंड में वर्षों से गायब शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई, तीन शिक्षकों की सेवा हुई समाप्त

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला मुख्यालय में आयोजित शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक में वर्षों से अनुपस्थित चल रहे शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई की गई। बैठक में डीएम अंशुल अग्रवाल, डीईओ अमरेंद्र पांडेय के साथ सभी बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे। डुमरांव बीडीओ ने इस संबंध में जानकारी दी कि प्रखंड क्षेत्र में चार शिक्षक बिना किसी आवेदन या सूचना के कई वर्षों से विद्यालय से गायब चल रहे हैं। इनमें मध्य विद्यालय अरियांव की शिक्षिका रूबी कुमारी वर्ष 2022 से अनुपस्थित हैं, वहीं मध्य विद्यालय सुघरडेरा के शिक्षक मनोज कुमार वर्ष 2019 से गैरहाजिर हैं। इसके अलावा, मध्य विद्यालय अरियांव के ही शिक्षक राम मनोहर चौधरी 2014 से स्कूल नहीं आ रहे हैं। चौथा मामला पंचायत एवं प्रखंड नियोजन इकाई द्वारा नियुक्त शिक्षक लखन सिंह का है, जो 2022 से लापता हैं। बीडीओ ने बैठक में बताया कि रूबी कुमारी, मनोज कुमार और राम मनोहर चौधरी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पूरी कर ली गई है और इन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, लखन सिंह के मामले में नियमानुसार आगे की प्रक्रिया चल रही है। डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा कि विद्यालयों में अनुशासन बनाए रखना और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करना शिक्षा की गुणवत्ता के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी बीडीओ को निर्देश दिए कि अनुपस्थित शिक्षकों की सूची बनाकर उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। वहीं बैठक के दौरान डीईओ अमरेंद्र पांडेय ने कहा कि शिक्षा विभाग भविष्य में ऐसे मामलों को लेकर और अधिक सतर्क रहेगा ताकि विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित न हो। इस कार्रवाई से जिलेभर के शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं दूसरी ओर डीएम ने निर्देश जारी किया है कि जो भी शिक्षक नौकरी से बर्खास्त किए गये है। उन पर विभागीय कार्रवाई, प्राथमिकी दर्ज के साथ ही वेतन मद में दी गई राशि की वसूली की जाए। जिससे फर्जी तरीके से बहाल शिक्षकों पर कड़ी कारवाई हो सके। विदित हो कि यह अक्सर मामला सामने आता है कि फर्जी तरीके बहाल शिक्षकों को नियोजन इकाई हटा देती है। परंतु उनपर कोई कारवाई नहीं की जाती है। वेतनमद में दी गई राशि की वसूली नहीं होती है। जिससे इनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

मशाल कार्यक्रम: 22 से आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

केसठ। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी रविंद्र शंकरण ने पत्र जारी कर सभी संकुल संसाधन केंद्र के संचालकों और समन्वयकों को निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार, सभी संकुल संसाधन केन्द्र संचालकों और समन्वयकों को अपने संकुल संसाधन केन्द्र अंतर्गत आने वाले विद्यालय के हेडमास्टर का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी को प्राधिकरण के लिंक पर अपडेट करने का निर्देश दिया गया है। ताकि मशाल कार्यक्रम के अगले चरण संकुल स्तर की प्रतियोगिता 22,23 एवं 24 मई तक आयोजित की जानी है। जिसको देखते हुए यह निर्देश देते हुए 10 मई तक यह कार्य पूरा करना अनिवार्य है। इसे अतिआवश्यक माना गया है और सभी को इसका पालन करना होगा। प्राधिकरण और संकुल के बीच बेहतर संचार और समन्वय स्थापित होगा।

जगदीशपुर में भारी मात्रा में शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र जगदीशपुर में पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मुफस्सिल थाना के जगदीशपुर निवासी नीरज कुमार के रूप में की गई। चौकी इंचार्ज चन्दन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की गई। बरामद शराब में 500 एमएल की अंग्रेजी बियर के 188 पीस, ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की 750 एमएल की 27 बोतलें और आफ्टर डार्क ब्लू 180 एमएल की 139 बोतलें शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह शराब अवैध रूप से बिक्री के उद्देश्य से रखी गई थी।

आधा किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

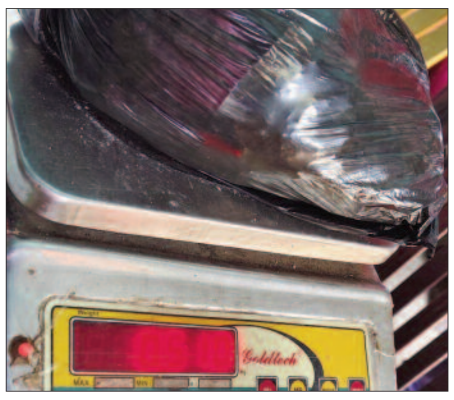

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मित्रलोक कॉलोनी से पुलिस ने 510 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज चन्दन कुमार के नेतृत्व में यह गिरफ्तारी की गई। पकड़ा गया तस्कर उपवन कुमार श्रीवास्तव उर्फ बदन श्रीवास्तव है, जो मूल रूप से धनसोई थाना क्षेत्र के गंगोई गांव का निवासी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वह वर्तमान में वह मित्रलोक कॉलोनी स्थित अशोक नगर में रह रहा था। पुलिस से पूछताछ के दौरान उपवन ने गांजा की तस्करी से जुड़े अपने पुराने रिकॉर्ड को स्वीकार किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इससे पूर्व भी उपवन को करीब साढ़े तीन किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया था। उस समय उसे जेल भेजा गया था, और हाल ही में वह जमानत पर छूटकर बाहर आया था। बाहर आने के बाद वह कुछ दिनों तक शांतिपूर्वक रहा था। इसके बाद पुनः अपने धंधे में उतर गया। पूछताछ के दौरान उसने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से सक्रिय होकर काम कर रहा था। माल को एक दूसरे जगह तक पहुंचया है। इस तस्करी में उसके पुराने दोस्तों ने उसका साथ दिया था। वहीं दूसरी ओर पुलिस को अधिकारियों कहना है कि जेल के निकलने के बाद पुलिस ने इस पर कड़ी नजर रखी थी। लेकिन, जैसे ही पुलिस की अपना ध्यान हटाया। यह नशीले पदार्थों की तस्करी में उतर गया। जब पुलिस को सूचना मिली। तब इसके पीछे खुफिया तंत्र को लगाया गया। जल्द ही पुलिस के जाल में आ गया है। पुलिस ने बताया कि उपवन के खिलाफ पहले से ही नशीले पदार्थों की तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया है। मामले की आगे जांच की जा रही है ताकि तस्करी के पीछे के नेटवर्क का भी पदार्फाश किया जा सके। पुलिस क्षेत्र में नशा कारोबार पर नकेल कसने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। इसके लिए अलग टीम बनाकर मामले की छानबीन में लगा दिया गया है। ताकि अन्य तस्करों की धर-पकड़ हो सके।

डुमरांव विधानसभा के नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा का जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा का दूसरा चरण हुआ पूरा

फंड के बाद भी भ्रष्ट नेता और भ्रष्ट पदाधिकारी के कारण कई काम धरातल पर नहीं उतरे : रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू विधान सभा के पूर्व प्रभारी रवि उज्जवल का दूसरा जनता एग्रीमेंट यात्रा का गुरूवार को समापन हो गया। इस दौरान उनका यह यात्रा नावानगर प्रखंड के विभिन्न पंचायातों में सोनवर्षा, वेना, मडिया, कड़सर, प्रमाणपुर का दौरा किया गया। इस यात्रा के संबंध में केटी न्यूज से वातार्लाप के समय रवि उज्जवल ने कहा की आज डुमरॉव विधानसभा का नावानगर प्रखंड का 16 पंचायत की जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा समाप्त हो गया। पुरा नावानगर प्रखंड के सभी पंचायत के लोगों से मिलकर बहुत कुछ समस्याओ की जानकारी मिली, लोगो का आशीर्वाद मिला हऔर दुख भी हुआ की सरकार का इतना फंड आने के बाद भी भ्रष्ट नेता और भ्रष्ट पदाधिकारी के कारण कई काम धरातल पर नहीं है। उन्होंने बताया की नल जल योजना का कई जगहों पर नामोनिशान गायब है, लगे फिल्टर मशीन खराब पडा है, कई गाँव मे सड़क, छोटी पुलिया, नाली, अच्छी शिक्षा, अच्छी चिकित्सा का बहुत कमी है। लोग समस्याओं से आज भी जूझ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा दोषी यहां के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी हैं। इस बार जनता पुरी तरह बदलाव चाह रही है। पद यात्रा का लोगो का हुजूम ने रवि उज्जवल को जन समर्थन दिया। दौरा में साथ रहने वाले डुमरॉव पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जदयू बीरेन्द्र कुशवाहा, गुरूदेव सिंह, विजय सिंह, पप्पु मौर्या, मिथिलेश कुशवाहा, अजमेर सिंह, मन्टू पटेल, नंद कुमार मुखिया, शशिकांत कुशवाहा, रवि पाण्डेय, रफी खान उर्फछोटे, राजन सिह, जवान कुशवाहा, जगजीवन राम, अशोक कुशवाहा, शाहीद अंसारी, अजमेर खान, वकत मियां, कलामुद्दी, ईश्वर चंद्र शर्मा, कलाम मंसूरी, हरीहर प्रसाद, पलटन सिंह, बबलु यादव इत्यादी लोग उपस्थित रहे।

भोजपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर के समीप हुई घटना

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत, दूसरा जख्मी

♦ जख्मी युवक का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

आरा-बड़हरा मार्ग पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव स्थित काली मंदिर के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठे युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जबकि बाइक चला रहा उसका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मथवालिया गांव निवासी रंजीत प्रसाद का 26 वर्षीय पुत्र विश्वजीत कुमार है एवं वह दौलतपुर में बाजार पर फास्ट-फूड का दुकान चलाता था जबकि जख्मी युवक उसी गांव के निवासी भोला प्रसाद का 25 वर्षीय पुत्र व मृतक का दोस्त मिथिलेश कुमार है। इधर मृतक के चचेरा भाई कृष राज उर्फ भरोसा राम ने बताया कि वह दौलतपुर बाजार पर फास्ट-फूड का दुकान चलाता था। बुधवार की रात वह अपने दोस्त मिथिलेश कुमार के साथ बाइक से अपने दुकान पर जा रहा था। उसी दौरान दौलतपुर गांव स्थित काली मंदिर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए रसदार अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसके चचेरे भाई विश्वजीत कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं बाइक चला रहा उसका दोस्त मिथिलेश कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी। पुलिस सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व दो बहन में चौथे स्थान पर था। उसकी शादी छह माह पूर्व हुई थी। उसके परिवार में पत्नी काजल कुमारी व तीन भाई एवं एक बहन है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी काजल कुमारी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नदी में डूबने से मौत, तीसरे दिन हुई पहचान

आरा। भोजपुर के बबुरा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव स्थित भागढ़ नदी में डूबे अधेड़ की तीसरे दिन पहचान हो पाई है। उनकी पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के अगरपूरा गांव निवासी स्व.राम सुरेश पांडेय के 54 साल के बेटे मुन्ना पांडेय के रूप में हुई है। वह पेशे से किसान थे। बताया जाता है कि बबुरा थाना की ओर से मंगलवार की शाम उनके शव को बबुरा गांव स्थित भागढ़ नदी से बरामद किया गया था। जिसके बाद बबुरा थाना ने अज्ञात के रूप में उनके शव का पोस्टमार्टम कराया था। मृतक के बड़े भाई गया पांडेय ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब ग्यारह बजे बाजार करने के लिए घर से निकले थे। इस बीच वह बबुरा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव स्थित भागड़ नदी की ओर चले गए। भागढ़ नदी में डूबने से उनकी मौत हो गई। देर शाम तक जगह घर वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने काफी खोजबीन की। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। सोशल मीडिया से जानकारी मिली।

नौजवानों के सपनों व आकांक्षाओं पर मौजूदा सरकार चला रही है बुलडोजर

केटी न्यूज/आरा

इंकलाबी नौजवान सभा के 9 वां राज्य सम्मेलन की तैयारी को लेकर अगिआंव संयोजक कमिटी की विस्तारित बैठक आयोजित हुई। सदस्यता अभियान के तहत अगिआंव प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के युवा नेताओं को रिन्यूअल कर सदस्यता दिलवाया गया। इंकलाबी नौजवान सभा का 9वां राज्य सम्मेलन की तैयारी को लेकर अगिआंव संयोजक कमेटी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक माले पवना पार्टी कार्यालय में की गई जिसमें मुख्य अतिथि फअ के राज्य सचिव व अगियांव विधायक शिवप्रकाश रंजन शामिल हुए बैठक में संगठन विस्तार सहित राज्य सम्मेलन और नौजवानों के बेहतर भविष्य, रोजगार सहित नौजवानों के चल रहे आंदोलनों पर बातचित हुई। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए राज्य सचिव व अगियांव विधायक शिवप्रकाश रंजन ने कहा कि नौजवानों के सपनों और आकांक्षाओं पर मौजूदा सरकार बुलडोजर चला रही है हद तो तब हो गई जब देश के नौजवान रोजगार के तलाश में अमेरिका गए पर वहां से हमारे नागरिकों को अपराधियों के जैसे सलूक करते हुए जंजीरों और बेड़ियों में वापस भेजा। लेकिन, सता में बैठी मोदी सरकार और उनके सहयोगी पार्टियों ने निंदा तक नहीं कौवही बेरोजगारी जानलेवा होते जा रही है और नौजवान आत्महत्या करने को मजबूर हैं इसलिए आने वाले दिनों में हमें इन सबके खिलाफ बदलाव की मुहिम को तेज करना होगा बैठक में उपस्थित जिलाध्यक्ष निरंजन केशरी, अगिआंव संयोजक अखिलेश कुमार गुप्ता, अमित यादव, धनंजय कुमार, मनमोहन कुमार, अमित चंद्रवंशी, अप्पू यादव, भोली पासवान, राहुल रावत,मिथुन पासवान, छट्ठू राम सहित दर्जनों नौजवान मौजूद थे

गर्व : हैदराबाद प्रशिक्षण में प्रशस्ति पत्र के साथ मुखिया हुए सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

डेहरी ऑन सोन (रोहतास) एनआईआरडीपी हैदराबाद अंतर्गत डेहरी प्रखंड क्षेत्र के मुखिया का प्रशिक्षण शिविर हुई संपन्न। प्रशिक्षण संपन्न होने के बाद हैदराबाद ऑडिटोरियम में समापन समारोह में मझिआंव पंचायत के मुखिया अनिल कुमार को डॉ. अंजन कुमार भनजा असिस्टेंट प्रोफेसर एनआईआर डीपीआर हैदराबाद ने विशेष प्रशिक्षण में प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। मौके पर सम्मानित होने के बाद मुखिया ने कहा कि बिहार के मुखिया देश में सबसे बेहतर कार्य करते हैं। कहा कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ ग्राम पंचायतों के दौरा करने के उपरांत पाया कि बिहार के मुखिया का कार्य सबसे बेहतर है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के ग्राम पंचायत को विशेषाधिकार के साथ ग्राम पंचायतों को काफी स्वायत्तता प्राप्त है। यहां की ग्राम पंचायत को कर लगाने का अधिकार प्राप्त है। प्रशासनिक सहयोग भी यहां पर बेहतर है। जबकि हमारे यहां ग्राम पंचायत में सरकार का हस्तक्षेप है और अपेक्षित सहयोग भी प्रशासन द्वारा नहीं मिल पाता है। इसके बावजूद बिहार के मुखिया बेहतर कार्य करते हैं। स्वच्छता मनरेगा आंगनबाड़ी स्कूल नाली-गली भी और प्रदेशों के अपेक्षा काफी बेहतर है। यदि राज्य सरकार से ग्राम पंचायत को कर लगाने के साथ विशेष अधिकार मिल जाए तो बिहार के मुखिया और बेहतर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा प्रशिक्षण पर मुखियों को भेजे जाने पर आभार व्यक्त किया गया। बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए एनआईआरडीप हैदराबाद की प्रशंसा की। प्रशिक्षण शिविर में भलुआड़ी पंचायत मुखिया पप्पू कुमार सिंह बरांवकला मुखिया ददन पासवान उर्फ सुनतेश्वर राम मझिआंव मुखिया अनिल कुमार शामिल थे।

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने पर लोगों ने दी बधाई

डेहरी ऑन सोन। डेहरी ऑन सोन (रोहतास) स्थानीय शहर के जाने-माने समाजसेवी अनीश गैस के प्रोपराइटर अनिल पटेल ने भाजपा का सदस्यता ग्रहण किया। जिन्हें पूर्व विधायक सत्यनारायण यादव ने भाजपा का सदस्यता ग्रहण कराया। पूर्व विधायक ने कहा कि अनिल पटेल के आने से बीजेपी पार्टी मजबूत होगी। जबकि सदस्यता ग्रहण करने के बाद अनिल पटेल ने खुशी जताते हुए कहा कि पार्टी के दिए गए निर्देश के अनुसार डेहरी विधानसभा में भाजपा पार्टी को मजबूती देने का कार्य जमीनी स्तर पर करूंगा। भाजपा में शामिल होने के बाद समाजसेवियों ने अनिल पटेल को बधाई दिया। मौके पर संजय गुप्ता, निखिल सिंह, डॉ. रवि प्रकाश, डॉ. नवीन नटराज, डॉ. कश्यप, रमेश कुशवाहा, अमित कुमार, रवि कुशवाहा, संजय कुशवाहा, पटेल कुशवाहा सहित अन्य ने बधाई दी।

आरजेडी का अगिआंव विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय परिचर्चा का आयोजन

पिछड़े और दलितों के लिए खड़ी है राजद

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय जनता दल भोजपुर जिला इकाई द्वारा अगिआंव विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी कार्यकताओं को सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और संगठनात्मक कार्यशैली के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यकताओं से सामाजिक न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया और पार्टी की विचारधारा के प्रति निष्ठा बनाए रखने पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रदेश नेतृत्व द्वारा गठित विशेष प्रशिक्षण टीम के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और अलग-अलग विषयों पर कार्यकताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य वक्ता मखदुमपुर के विधायक सतीश दास ने सामाजिक न्याय की अवधारणा, पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और समानता के विचार को लेकर पहुंचें। तेजस्वी यादव की सरकार बनने पर बेरोजगारों को रोजगार, गैस सिलेंडर के दाम 500 रुपए, 200 यूनिट बिजली मुफ्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1500 रुपया, माई बहिन मान योजना के तहत 2500 रुपया दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के विचारों को जीवन में अपनाने की जरूरत है। उन्होंने चुनावी प्रबंधन, रणनीति निर्माण और बूथ स्तर की तैयारी पर भी विशेष जानकारी दी। युवा राजद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार महतो ने चुनावी अभियान की रणनीति, प्रमुख बिंदुओं एवं प्रचार की दिशा पर चर्चा करते हुए बताया कि युवाओं की भागीदारी किस तरह निर्णायक हो सकती है। राज्य परिषद सदस्य फूल हसन अंसारी ने संगठनात्मक मजबूती, कार्यकताओं के बीच समन्वय और नियमित संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। युवा राजद के मुख्यालय प्रभारी निवास रजक ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर विस्तृत विचार रखते हुए बताया कि आज के दौर में डिजिटल प्रचार ही चुनावी सफलता की कुंजी बन चुका है। कार्यक्रम में आये प्रदेश के नेताओं का अगिआंव विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय राजद नेताओं ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधान महासचिव रामबाबू पासवान, नंदकिशोर सिंह, प्रमुख मुकेश सिंह यादव, जिला प्रवक्ता आलोक रंजन, जिप अध्यक्ष आशा पासवान, निवास सिंह, एकराम आलम, सुरेंद्र यादव, हाकिम प्रसाद, विमल कुमार सिंह, नन्द कुमार यादव, शैलेंद्र राम, विनोद चंद्रवंशी, मनु यादव सहित अन्य मौजूद थे।

राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों की कड़ी निगरानी के लिए सीएम नीतीश ने की उच्चस्तरीय बैठक

अलर्ट... पुलिस-प्रशासन और आपदा से जुड़े सभी अफसरों की रद्द की गई छुट्टी

केटी न्यूज/पटना

बांग्लादेश और नेपाल से सटे बिहार के किशनगंज के साथ ही सीमावर्ती जिलों पूर्णिया, कटिहार, अररिया, सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में निगरानी बढ़ा दी गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आपात बैठक की। इस बैठक के तत्काल बाद बांग्लादेश-नेपाल से लगने वाले नौ जिलों को हाई अलर्ट पर रख दिया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों की कड़ी निगरानी के लिए उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार भी शामिल थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों / कर्मियों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों तथा कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गयी हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं कानून व्यवस्था से जुड़े सभी कर्मियों को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया है।

बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिए खास निर्देश

- बिहार में सभी प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियो की छुट्टी रद्द
- मुख्य सचिव के आदेश से सभी प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियो की छुट्टी की गई तत्काल प्रभाव से रद्द
- आपदा प्रबंधन से भी जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियो की छुट्टी की गई रद्द
- स्वास्थ्य विभाग और कानून व्यवस्था से जुड़े सभी कर्मियों को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा गया

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के सभी सीमावर्ती जिलों में चौकसी बढ़ाई जाय। आवागमन पर कड़ी निगरानी रखी जाय तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति और वस्तुओं पर कड़ी नजर रखी जाय। सीमावर्ती जिलों के सभी महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी जाय और लगातार सघन गश्ती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थानों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर पूरी सर्तकता बरतें। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया और अन्य हैंडल के माध्यम से फर्जी खबरों एवं अफवाहों को पूरी सख्ती से रोकने के निर्देश जारी किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है क्यों कि सरकार इस मामले में पूरी तरह सजग एवं सर्तक है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व है।

सीमांचल में अलर्ट, पूर्णिया कटिहार समेत 4 जिलों में पुलिस की छुट्टियां रद्द

पटना। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात को देखते हुए बिहार के सीमांचल क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर पूरी मुस्तैदी से तैनात किया गया है। पुलिस विभाग की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और जो पुलिसकर्मी छुट्टी पर हैं, उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लौटने का आदेश दिया गया है। इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अनुपस्थित रहने वालों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पूर्णिया प्रक्षेत्र के डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर चारों जिलों में हाई अलर्ट लागू किया गया है। एसएसबी के साथ ज्वाइंट मीटिंग की गई है और सीमा क्षेत्रों में वाहनों एवं आने-जाने वालों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने बताया सभी होटलों की भी जांच की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा सके। कटिहार के कुसेर्ला पुल और कुसेर्ला रेल पुल पर विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

धरना देने में फंसे कई सीओ, शुरू हुई विभागीय कार्यवाही

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले के राजस्व अधिकारियों ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जिलाधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिले के अंचल अधिकारी-राजस्व अधिकारी हाजीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठ गए थे। यह घटना 26 अक्टूबर 2024 की है. धरना देने के खिलाफ जिलाधिकारी ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से शिकायत की थी। इसके बाद कई अंचल अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई। अब राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने विभागीय कार्यवाही के बाद दंड देना शुरू कर दिया है।

वैशाली जिले के गोरौल अंचल के अंचल अधिकारी अंशु कुमार के खिलाफ वैशाली जिलाधिकारी ने 30 अक्टूबर 2024 को आरोप पत्र गठित कर विभाग को उपलब्ध कराया था। जिसमें बिना सूचना के समाहरणालय परिसर में सुबह 10:00 बजे से राजस्व कर्मचारियों के साथ धरना पर बैठने एवं प्रदर्शन करने जैसे गंभीर आरोप थे। इसके अलावे जिलाधिकारी ने कई अन्य आरोप में प्रपत्र-क गठित कर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को उपलब्ध कराया था। इस आलोक में 2 दिसंबर 2024 को आरोपी अंचल अधिकारी अंशु कुमार से स्पष्टीकरण की मांग की गई। जिसका जवाब उन्होंने 31 दिसंबर 2024 को दिया। आरोपों और जवाब की समीक्षा के बाद राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने आरोपी अंचल अधिकारी गोरौल अंशु कुमार के खिलाफ संचई प्रभाव के बिना दो वेतन वृद्धि पर रोक का दंड अधिरोपित किया है। निदेशक चकबंदी की तरफ से यह पत्र 2 मई 2025 को जारी किया गया है।

कई दंपतियों ने अपने नवजात बच्चों का नाम सिंदूर रखा

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में भारतीय सेना के हालिया ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर कई दंपतियों ने अपने नवजात बच्चों का नाम सिंदूर रखा है। यह नाम अब न सिर्फ एक बच्चे की पहचान बन रहा है, बल्कि देशभक्ति के प्रतीक के रूप में भी सामने आ रहा है। इस पहल को लेकर शहर के अस्पतालों में यह चर्चा का विषय बन गया है। इसी कड़ी में जाफरपुर गांव निवासी पवन सोनी, जिनके बेटे का जन्म केजरीवाल शिशु अस्पताल में हाल ही में हुआ है, ने अपने नवजात का नाम सिंदूर रखा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे बेटे के नाम से ही उसे देशभक्ति की प्रेरणा मिले। वह बड़ा होकर भारतीय सेना में शामिल हो और देश की सेवा करे। यही हमारा सपना है। सिंदूर सिर्फ एक नाम नहीं, यह एक जज्बा है देश के लिए कुछ कर गुजरने का।

वहीं, बोचहा थाना क्षेत्र के कन्हारा गांव के हिमांशु राज ने अपनी बेटी का नाम भी सिंदूर रखा है। उनका कहना है कि वह हर साल अपनी बेटी के जन्मदिन पर ऑपरेशन सिंदूर को याद करते हुए उसका जश्न मनाएंगे। सूत्रों के अनुसार, बीते 24 घंटे में ही मुजफ्फरपुर के विभिन्न अस्पतालों में एक दर्जन से अधिक बच्चों के नाम सिंदूर रखे गए हैं। जन्म प्रमाण पत्र कार्यालयों में भी इस नाम की प्रविष्टि तेजी से बढ़ रही है।

केजरीवाल मातृ शिशु अस्पताल के नवजात विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ ने कहा कि 'सिंदूर नाम अब सिर्फ एक नाम नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे देश के गौरव और सेना की वीरता का प्रतीक बन गया है। पहले लोग अपने बच्चों के नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखते थे, लेकिन अब देशभक्ति से प्रेरित नामों को महत्व दिया जा रहा है, जो एक सकारात्मक बदलाव है। इस अनोखी पहल ने यह साबित कर दिया है कि मुजफ्फरपुर के लोग सेना के साहसिक कारनामों से गहराई से जुड़े हैं, और वे अपने बच्चों के जरिए उस भावना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना चाहते हैं।

पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन कस्बे को मिला नगर पंचायत का दर्जा

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के तेजी से बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए पूर्वी चंपारण जिले के मधुबन कस्बे को नगर पंचायत का दर्जा दे दिया है। नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मधुबन को अब शहर का दर्जा मिल गया है, जिससे वहां के निवासियों को अनेक मूलभूत शहरी सुविधाएं मिलनी शुरू हो जाएंगी।इस नई अधिसूचना के साथ ही बिहार में अब नगर पंचायतों की कुल संख्या 155 हो गई है। वहीं, पूरे राज्य में नगर निकायों (नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों) की कुल संख्या अब 262 हो गई है। यह निर्णय राज्य में शहरी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश मिश्रा ने मधुबन को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की घोषणा करते हुए कहा कि अब इस क्षेत्र का विकास भी शहरों की तर्ज पर किया जाएगा।

उत्तर बिहार को मिलेगी बेहतर बिजली सेवा 68 नए पावर सबस्टेशन निर्माण को मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

उत्तर बिहार में अब उपभोक्ताओं को अधिक भरोसेमंद और सशक्त बिजली सेवा मिलने वाली है। उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 68 नए पावर सबस्टेशनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने यह फैसला बिजली की बढ़ती मांग, औद्योगिक विस्तार, कृषि कार्यों की बढ़ती जरूरतों और घरेलू उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया है। इस परियोजना से न सिर्फ बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि सेवा भी अधिक संतुलित और स्थिर हो सकेगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान NBPDCL ने 7.5 लाख से अधिक नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं। इनमें 1.25 लाख वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को जोड़ा गया है, जबकि लगभग 9,000 नए औद्योगिक कनेक्शन भी दिए गए हैं। इससे यह साफ है कि उत्तर बिहार में न केवल घरेलू, बल्कि व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियों की भी रफ्तार तेज हो रही है।

कृषि क्षेत्र को मिली प्राथमिकता: कृषि को ध्यान में रखते हुए NBPDCL ने इस वर्ष 77,000 से अधिक नए कृषि कनेक्शन जारी किए हैं। किसानों को राहत देने के लिए राज्य सरकार की "मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना" के अंतर्गत निःशुल्क कनेक्शन, 92 प्रतिशत तक अनुदानित दर पर बिजली, और कृषि कार्यों के लिए अलग डेडिकेटेड फीडर की व्यवस्था की जा रही है। यह पहल किसानों को सस्ती और समय पर बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है।

दो चरणों में स्वीकृत हुए सबस्टेशन: इन 68 पावर सबस्टेशनों में से 30 सबस्टेशन भारत सरकार की फ्लैग्शिप योजना के तहत स्वीकृत किए गए हैं। इनकी कुल अनुमानित लागत 353 करोड़ थी, लेकिन कार्य 347 करोड़ में स्वीकृत हुआ है, जो निविदा राशि से 1.5 प्रतिशत कम है। वहीं, शेष 38 सबस्टेशन राज्य सरकार की योजना के तहत मंजूर हुए हैं। इनकी लागत 417 करोड़ थी, जबकि स्वीकृति 410 करोड़ में मिली, जिससे यहां भी 1.5 प्रतिशत की बचत हुई है। इससे यह स्पष्ट है कि परियोजना के क्रियान्वयन में वित्तीय अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया है।

बिहार को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात ; 18 रेलवे ओवरब्रिज, अंडरपास, सड़कें बनेंगी

33464 करोड़ की 52 सड़क योजनाओं को मंजूरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में सड़क विकास को लेकर लगातार काम चल रहा है। राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को बताया कि 7 मई को उनकी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात हुई थी। इस दौरान बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार को लेकर 2025-26 की वार्षिक कार्य योजना पर चर्चा हुई। उन्होंने ने बताया कि बैठक में पथ निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित 33464 करोड़ की लागत वाली 52 सड़क परियोजनाओं को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दे दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बिहार में बेहतर सड़क संपर्क, सुरक्षित यात्रा और निर्बाध यातायात सुनिश्चित करना है।

स्वीकृत योजनाओं में नए पुलों का निर्माण, पुराने पुलों का पुनरुद्धार, 18 रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास, सड़कों को दो लेन से चार लेन में चौड़ा करना, पेव्ड शोल्डर के साथ दो लेन सड़क निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण बायपास सड़कों का भी निर्माण प्रस्तावित है, जिससे शहरों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा। बिहार में बाइपास रोड़ डुमरांव बाईपास, अरवल बाईपास, दाउदनगर बाईपास, औरंगाबाद बाईपास बनाने का निर्णय लिया गया है। वहीं सिंहेश्वर बाईपास, समस्तीपुर बाईपास सड़क बनेगी। पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि 526 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग को दो लेन और दो लेन पेव्ड शोल्डर सड़क में बदला जाएगा। इसके अलावा 227 किलोमीटर लंबी सड़कों को दो लेन पेव्ड शोल्डर सड़क के रूप में उन्नत किया जाएगा। इन योजनाओं के पूरा होने से राज्य में परिवहन सुविधाओं में सुधार होगा, यात्रा का समय घटेगा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य राज्य के हर हिस्से को बेहतर सड़कों से जोड़ना है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से लगातार सहयोग मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार के लिए हमेशा सकारात्मक रुख दिखाया है। नवीन ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन योजनाओं से राज्य की जनता को बड़ा लाभ मिलेगा। पथ निर्माण विभाग इन परियोजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। नवीन ने कहा कि बिहार सरकार बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से राज्य को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

साकची बाज़ार में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर मना जश्न

जमशेदपुर, एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को पीओके समेत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला कर नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस निर्णायक कार्रवाई ने न सिर्फ दुश्मन के गढ़ में खौफ पैदा किया, बल्कि पाकिस्तान को भी कठघरे में खड़ा किया, जो लगातार आतंक को पनाह देता आ रहा है। ऑपरेशन की सफलता पर साकची हनुमान मंदिर के पास सनातन उत्सव समिति ने सेना के समर्थन में जयकारे लगाए और जश्न मनाया।

रांची में हैवान बना बेटा, मां को बेल्ट से पीटा, अगली सुबह फंदे से लटका मिला शव

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के मकचुंद टोली में कल बुधवार को बेटे द्वारा मारपीट से आहत महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतका महिला की पहचान 56 वर्षीय सुनीता देवी के रूप में हुई है. मृतका की बेटी की शिकायत पर चुटिया थाना पुलिस ने महिला के बेटे राहुल केसरी पर अपनी मां को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया है. मृतका की विवाहिता पुत्री रूबी केसरी के अनुसार बीते 5 मई 2025 को राहुल ने अपनी मां के साथ मारपीट की थी. रूबी ने बताया कि उसके भाई ने मां को बेल्ट और मुक्के से मारा था. मां के साथ मारपीट करने के बाद राहुल घर से निकल गया. इस दौरान सुनीता देवी घर पर अकेली थी. अगली सुबह 6 मई को पड़ोसियों से जानकारी मिली कि घर का दरवाजा कोई नहीं खोल रहा है. रूबी ने बताया कि मामले की जानकारी होते ही वह अपने ससुराल भरकुंडा से रांची आयी. जब उसने दरवाजा खोला, तो देखा कि सुनीता देवी फंदे से लटकी हुई है. रूबी ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका भाई राहुल केसरी अक्सर मां के साथ मारपीट और प्रताड़ित करता था.

बिरसानगर पीताम्बरा मंदिर में मना माता का जन्मोत्सव, भक्तों की लगी रही भीड़

जमशेदपुर, एजेंसी। मोहरदा बिरसानगर जोन नंबर 2 बी में नवनिर्मित मॉ पीताम्बरा मंदिर में धूमधाम से माता पीताम्बरा का जन्मोत्सव मनाया गया। दिन भर धार्मिक अनुष्ठान के तहत माता कि विशेष पूजा, स्तुति पाठ, संध्या में हवन और भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यजमान स्वामी विजयानंद महाराज ने पत्नी सोमा घोषल संग पूजा की। उनके पुत्र अभय घोषल भी पूजा में शामिल थे। पंडित मणीशंकर ने विधिवत पूजा अर्चना करवायी। सुबह आरती के साथ ही मंदिर में भक्तों की भीड़ दिन भर लगी रही। माता का दर्शन करने आये सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने भंडारा (प्रसाद) ग्रहण किया। एक दिवसीय इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में कृष्ण मोहन सिंह, शंकर राव, निशा राव, बाबुलाल गोप, विश्वनाथ राय, रामजीवन गोप, समर भंडारी, सुदामा गोप, सुधीर गौराई आदि का योगदान रहा। मालूम हो कि यह मंदिर मॉ पीताम्बरा शक्ति पीठ (तोयात्मा सेवा सदन के अंतर्गत) जमशेदपुर में एक ही स्थान पर मोहरदा बिरसानगर जोन नंबर 2 बी में हैं।

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति बैठक

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस के विस्तारित कार्यसमिति बैठक में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संगठन के लिहाज से वर्ष 2025 कांग्रेस के रिवाइवल का समय है। झारखंड में पंचायत स्तर पर कमेटी का शीघ्र गठन करना है। हम कागजी कमेटी नहीं चाहते, हमें जमीन पर काम करना होगा। कांग्रेस के इतिहास में जातीय जनगणना की लड़ाई, बहुत बड़ी जीत है। हम सबको समन्वय बनाकर काम करना चाहिए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि झारखंड में सरकार बनने से उत्साहजनक स्थिति है। लेकिन, हमारा दायित्व खत्म नहीं हुआ है। मंत्री, विधायक और सांसद यह न समझें कि उनकी वजह से संगठन है, बल्कि संगठन के कारण वे हैं। उन्हें संगठन की मजबूती के साथ-साथ जनता से किए वादे पूरे करने होंगे। खरगे ने कहा कि जो पद मिलता है, उसे संभाल कर काम करें। 'मैं' नहीं हम' पर भरोसा करें बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पार्टी की पिछले छह महीने की पूरी गतिविधियों का ब्योरा दिया।

झारखंड में जल्द होगी 2420 असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती, राज्यपाल ने जेपीएससी को लिखा पत्र

रांची, एजेंसी। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि सभी कुलपतियों को राजभवन की ओर से आदेश भी जारी किया गया है कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में सभी प्रोफेसर निर्धारित समय तक उपलब्ध रहें और नियमित कक्षाएं लें। इसकी निगरानी की जिम्मेदारी कुलपतियों को दी गई है। इस दौरान उन्होंने बताया कि जेपीएससी को प्रोफेसर भर्ती के लिए पत्र लिखा है।

उन्होंने बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के छात्रों ने पिछले दिनों यह जानकारी दी थी कि स्थाई प्रोफेसर नियमित क्लास नहीं लेते। तब उच्च और तकनीकी शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार के लिए विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कैलेंडर सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया। विश्वविद्यालयों को इस परिप्रेक्ष्य में गंभीरता से परिणामी कार्य करने के लिए कहा गया है। क्योंकि, 40 से 50 फीसदी तक विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त 2420 सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति होनी है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में आर्थिक

विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह इस क्षेत्र में अभी काफी पीछे है। इसमें और तेजी लाने की जरूरत है। राज्य में विकास हो रहा है, लेकिन सही मायने में विकास तब ही माना जाएगा जब झारखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाए।

धार्मिक पर्यटन को लेकर अभी काम करना बाकी है। बाबाधाम देवघर को काशी विश्वनाथ टूरिस्ट सर्किट की तर्ज पर विकसित करने की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। राज्य के पर्यटन स्थलों पर पर्यटक सुविधाएं बढ़ाने के लिए कारगर काम करने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि संवैधानिक और प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही वे लोगों के लिए सहज उपलब्ध रहते हैं। वह राज्य के लोगों की समस्याओं को समझने और उसके समाधान की दिशा में काम कर रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें पीपुल गवर्नर (आम जनता का गवर्नर) के रूप में जाना जाने लगा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में दलीय राजनीति से दूर रहते हुए वह अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। वह केंद्र और राज्य सरकार की जनहित से जुड़ी योजनाओं के प्रति लोगों में जागरुकता लाने का प्रयास भी करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यपाल ने कहा कि देश की जनता केंद्र सरकार से ऐसी ही कार्रवाई की उम्मीद कर रही थी। पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करते हुए आतंकियों के ठिकानों पर भारत ने सटीक हमला किया। हमें अपने वीर सैनिकों के शौर्य पर गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में ही कहा था कि इसके जिम्मेदार आतंकियों को उनके कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। देश जैसा चाहता है आतंकियों के साथ वही कार्रवाई की जाएगी। हमारा देश किसी को छेड़ता नहीं है, हमें कोई छेड़े तो हम उसे छोड़ते नहीं। ये वीरों की भूमि है। सभी नागरिकों से भी अनुरोध है कि आतंकवाद के विरुद्ध सेना के साथ सम्पूर्ण सहयोग करें।

मेन रोड में घंटों लगा जाम, सड़क पर खिसकते दिखे वाहन

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के व्यस्तम रास्तों में शामिल सुजाता चौक और क्लब रोड पर बुधवार को घंटों जाम लगा रहा। जाम के कारण लोग भी काफी परेशान दिखे। जानकारी के अनुसार, सिरमटोली-मेकॉन फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण बुधवार को काफी देर तक सुजाता चौक, रेडिशन चौक और क्लब रोड में जाम रहा। इस दौरान दोनों लेन में गाड़ियों की लंबी लाइन दिखी। वाहन सड़क पर रेंगते दिख रहे थे। वहीं, जाम की वजह से ओवरब्रिज के रास्ते मेन रोड जाने वाले और मेन रोड से ओवरब्रिज होकर डोरंडा जाने वाले लोग काफी परेशान हुए। इधर, मेन रोड जाम होने के कारण कडरू से स्टेशन रोड जाने वाला रास्ता और अन्य संबंधित रास्ते भी जाम रहे। सभी मुख्य सड़क जाम होने के कारण दूसरे मार्गों से निकलना चाह रहे थे। इस दौरान जाम हटाने के लिये कई पुलिस वालों को काम पर लगाया गया। लेकिन बावजूद इसके घंटों तक मेन रोड में जाम की स्थिति बनी रही। दिन के करीब 1:30 बजे तक जाम रहा। फिर शाम के समय जाम की स्थिति बन गयी। रात 9:00 बजे के बाद जाकर हालात सामान्य हुए।वहीं, सिरमटोली फ्लाइओवर के निर्माण कार्य को लेकर रेलवे द्वारा ब्लॉक लिया जायेगा। इस वजह से कई ट्रेनें कुछ दिनों के लिये रद्द रहेंगी। रद्द ट्रेनों में ट्रेन संख्या 58034/58033 रांची-बोकारो स्टील सिटी-रांची पैसेंजर, ट्रेन संख्या 58663/58664 हटिया-सेंकी-हटिया पैसेंजर, ट्रेन संख्या 58665/58666 हटिया-संकी-हटिया पैसेंजर, ट्रेन संख्या 18602/18601 हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 68036/68035 हटिया-टाटानगर-हटिया मेमू और ट्रेन संख्या 18628/18627 रांची-हावड़ा-रांची एक्सप्रेस शामिल हैं।

नए धनबाद स्टेशन का नक्शा फाइल, 300 करोड़ होंगे खर्च

धनबाद, एजेंसी। धनबाद स्टेशन का नया नक्शा पास हो गया है। इसके लिए नए सिरे से ड्राइंग बनाया गया था। करीब 300 करोड़ की लागत से धनबाद में नया स्टेशन बनाया जाएगा। डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी। डीआरएम ने बताया कि पूर्व में नए धनबाद स्टेशन के उत्तरी छोर से दक्षिणी छोर तक अंडरग्राउंड रास्ता बनाने का निर्णय लिया गया था। नए ड्राइंग में प्लेटफॉर्म को जोड़ने के लिए ऊपरी पुल के निर्माण का ही निर्णय लिया गया। डीआरएम ने बताया कि सात से 10 दिन के अंदर नए धनबाद स्टेशन के लिए टेंडर आमंत्रित किया जाएगा।

धनबाद स्टेशन के ठीक बाहर स्थित पेट्रोल पंप बंद होंगे। अभी यहां पेट्रोल-डीजल का वितरण बंद कर दिया गया है। स्टेशन का दायरा बढ़ा कर पेट्रोल पंप के हिस्से को भी स्टेशन से मिलाया जाएगा। धनबाद स्टेशन के ड्राइंग के अनुसार स्टेशन के सामने से श्रमिक चौक तक एक ब्रिज बनाया जाना है। डीआरएम ने बताया कि नए वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले माह में धनबाद डिवीजन देश में लोडिंग में शीर्ष स्थान पर रहा। धनबाद डिवीजन ने अप्रैल में 16.55 मिलियन टन लोडिंग की, इससे डिवीजन को 2,134.96 करोड़ रुपए का राजस्व मिला। प्रधानखंता ब्रिज में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक पर डीआरएम ने कहा कि इसकी जांच हो रही है, जल्द वाहनों के लिए रास्ता खोला जाएगा। बातचीत के दौरान एडीआरएम ऑपरेशन विनीत कुमार, एडीआरएम इंफ्रा अमित कुमार, सीनियर डीसीएम मोहम्मद इकबाल, सीनियर डीओएम अंजय तिवारी, सीनियर डीईएन कोआर्डिनेशन प्रदीप कुमार आदि उपस्थित थे। --- स्पेशल ट्रेनों से हो रही डिवीजन को बंपर कमाई धनबाद से चल रही ट्रेनों से धनबाद डिवीजन को बंपर कमाई हो रही है।

सीजीएल पेपर लीक मामले में बड़ा अपडेट, झारखंड हाईकोर्ट ने मांगी जांच रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा में पेपर लीक की जांच को लेकर दाखिल याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच की अद्यतन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 18 जून को होगी।

इससे पहले महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि पेपर लीक मामले की जांच सीआइडी कर रही है। एक माह में जांच पूरी कर ली जाएगी। इस मामले में तीन आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। इस दौरान सरकार ने अदालत को बताया कि अब तक के अनुसंधान में पेपर लीक का कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

सरकार की इस दलील का प्रार्थियों ने विरोध किया और इस पर जवाब देने के लिए समय देने का आग्रह किया गया। पूर्व में इस मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने

परीक्षा परिणाम के प्रकाशन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा मामले की जांच सीआइडी कर रही है। सीजीएल परीक्षा-2023 में गड़बड़ी के आरोप में सीआइडी ने दो केस दर्ज किए हैं। पहला केस रांची पुलिस से टेकओवर करने के बाद दर्ज किया गया है, जो रातू थाने में दर्ज हुआ था। जबकि, दूसरा केस जेएसएससी की शिकायत पर दर्ज किया गया है। इस मामले के अनुसंधान के लिए डीजीपी सह सीआइडी के डीजी अनुराग गुप्ता ने एसआइटी भी गठित की है।

इस संबंध में दाखिल याचिका में कहा गया है कि सीजीएल परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन प्रश्नपत्र लीक हो गया था। इसके बाद एसआइटी का गठन किया गया और परीक्षा रद कर दी गई। दोबारा 21 सितंबर एवं 22 सितंबर 2024 को हुई परीक्षा में भी पेपर लीक हो गया।

सोनारी आरएमएस वालीचेला हाई स्कूल में 5 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ

जमशेदपुर, एजेंसी। आरएमएस वालीचेला हाई स्कूल में बच्चों के लिए आज से पांच दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीपाली दुकानिया और प्रधानाध्यापिका प्रतिमा सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित किया। पहले दिन के मुख्य आकर्षण रहे योग अभ्यास, जिसका प्रशिक्षण योग शिक्षिका पूनम वर्मा ने बच्चों को कराया। अपने ऊर्जावान अंदाज और सरल व्यायामों से पूनम मैम ने बच्चों में योग के प्रति जोश भर दिया।इस समर कैंप में प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें पेंटिंग, क्ले आर्ट, डांस, मूवी स्क्रीनिंग, फन गेम्स, बेसिक स्टिचिंग, जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सभी सत्रों में हिस्सा लिया।

पीएसयू अधिकारियों संग बैठक में बोले डीजीपी- ऑपरेशन एरिया की समस्याओं को तालमेल से हल करें

रांची, एजेंसी। रांची के पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में बुधवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पीएसयू अधिकारियों के साथ बैठक की। जानकारी के अनुसार, डीजीपी अनुराग गुप्ता ने 23वीं तटवर्ती सुरक्षा - समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उक्त बैठक में ओएनजीसी, आइओसीएल और गेल सहित कई अलग-अलग प्रतिष्ठानों में समस्या, समाधान और आपसी समन्वय को लेकर चर्चा की गयी। इस दौरान डीजीपी ने पीएसयू के अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में गेल, ओएनजीसी और आइओसीएल के अधिकारियों और स्थानीय पदाधिकारियों ने काम करने में आ रही समस्याओं को सामने रखा। इस पर डीजीपी ने ऑपरेशन एरिया में आ रही समस्याओं को पुलिस और ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित कर हल करने की बात कही। बैठक में डीजीपी ने आपस में सूचनाओं के आदान-प्रदान पर जोर दिया। इसके अलावा डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पीएसयू अधिकारियों को अपने कार्य क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरा और जीपीएस मॉनिटरिंग सिस्टम जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी प्रतिष्ठानों को समस्या वाली जगहों को हॉट स्पॉट के रूप में चिह्नित करने और डिपो, टर्मिनल व आसपास मौजूद ढाबों पर निगरानी रखने की बात कही है। इसके अलावा विभिन्न जिलों के एसपी को पीएसयू से संबंधित घटनाओं को लेकर दर्ज केस में आपराधिक गिरोह पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश जारी किया है। डीजीपी ने एसपी को इंटरस्टेट गिरोह से जुड़े अपराधियों को चिह्नित करने, उनकी संपत्ति जब्त करने और पीएसयू के महत्वपूर्ण इलाके को चिह्नित कर नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित करने का भी निर्देश दिया है। डीजीपी ने आने वाले नये प्रोजेक्ट के लिये जमीन अधिग्रहण, विधि-व्यवस्था और पाइपलाइन से तेल चोरी के इंटरस्टेट गिरोह से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान संबंधित जिला के एसपी और पुलिस मुख्यालय के नोडल पदाधिकारी से करने को कहा है। इस बैठक में अजय दीक्षित, एस मजुमदार, सौरभतोलंबिया, टीआर उन्नीकृष्णन नायर, एडीजी अभियान डॉ संजय आनंद राव लाटकर, आइजी अभियान एवी होमकर, आइजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

दुश्मन के घर में घुसकर, बाबूलाल मरांडी ने सेना के साथ पीएम मोदी की जमकर की तारीफ

रांची, एजेंसी। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर किए गए सेना के हमले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय सेना को राज्य की जनता की ओर से बधाई दी है। उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी की भी जमकर तारीफ की।

एक प्रेस वार्ता में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित, पोषित और संरक्षित आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई प्रारंभ कर दी है। भारतीय सेना ने अपने चिर परिचित अंदाज में शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन के घर में घुस कर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है।

रांची के पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की कार्रवाई की सराहना की है। कहा कि भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई किया जाना स्वागत योग्य है। सहाय ने कहा कि आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई के बाद देश के सभी समुदाय के लोग एक साथ होली-दीवाली मना रहे हैं। पाकिस्तान की नापाक हरकतों का जवाब देने के लिए देशवासियों ने एकजुटता का जो परिचय दिया है।

सात लाख रुपए बिल का केस हार गया पूर्वी सिंहभूम प्रशासन,

अब महिला को देना होगा 2 करोड़

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन को मात्र 7.13 लाख रुपये का बिल काटना महंगा साबित हो रहा है। लग रहा कि उसके एवज में कम से कम दो करोड़ रुपये चुकाने पड़ेंगे। मध्यस्थता में इस रकम की मांग जिला प्रशासन से की गई थी। हालांकि केस के अनुसार यदि राशि देनी पड़ी तो यह रकम दो करोड़ से काफी अधिक होगी। यह मामला फिलहाल जिला प्रशासन के लिए गले की फांस बन चुका है। और मामला इसलिए इतना पेचीदा हो गया, क्योंकि इस केस में प्रशासन की ओर से कोर्ट में कभी गंभीरता से पैरवी ही नहीं की गई।

यह मामला 1993 में नौ लाख रुपये एक टेंडर के साथ शुरू हुआ। फॉर्म छपाई का यह टेंडर चाईबासा की प्रिंटिंग प्रेस संचालिका पुष्पलता पसारी के नाम से लिया गया था। उनके पति श्यामल कुमार पसारी उनके एवज में सारे कागजी काम कर रहे थे। तब के डीडीसी ने छपाई की गुणवत्ता खराब होने के आधार पर मात्र दो लाख रुपये देकर 7.13 लाख रुपये काट दिये थे। पसारी ने इसके खिलाफ जमशेदपुर कोर्ट में केस कर दिया। इसका फैसला पसारी के पक्ष में आया, क्योंकि जिला प्रशासन की ओर से ठीक से पैरवी नहीं हुई। फिर पसारी ने इसमें मनी शूट दायर किया। इसका फैसला भी जिला प्रशासन के खिलाफ गया। और कोर्ट ने 2012 में 26.3 प्रतिशत सूद की दर से तीन करोड़ 18 लाख 64 हजार रुपये की डिग्री पसारी के पक्ष में दे दी।

इस बात को अब 13 साल बीत चुके हैं। गणना हो तो अब यह रकम काफी अधिक हो चुकी है। 2018 में तत्कालीन डीआरडीए निदेशक उमा महतो ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में कैविएट दायर की थी। हालांकि पैरवी नहीं होने से केस निरस्त हो गया। 2024 में तत्कालीन डीआरडीए निदेशक अजय कुमार ने हाईकोर्ट में रिट व आईए दायर किया, परंतु उसे स्वीकार नहीं किया गया है। जो अधिवक्ता सरकार ने दिया, उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इस मामले में डीआरडीए से वसूली के लिए दो-दो बार उसके ऑफिस को सील किया गया है। इसकी वजह से दूसरे तल के तीन कमरे फिलहाल बंद हैं।

रिम्स का सेंट्रल लैब 30 दिनों में करने लगेगा काम, सैंपल कलेक्शन से लेकर मिलेगी रिपोर्ट तक, बिलिंग काउंटर भी

रांची, एजेंसी। रिम्स में पुराने सैंपल कलेक्शन काउंटर के बगल में बन कर तैयार सेंट्रल लैब 30 दिनों के भीतर फंक्शनल हो जाएगा। यहां एक ही जगह पर भर्ती मरीज व ओपीडी के रोगियों के सैंपल कलेक्शन लिए जाएंगे। जांच के बाद सेंट्रल लैब के काउंटर से ही रिपोर्ट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। यहीं नहीं जांच की बिलिंग के लिए अलग से काउंटर की व्यवस्था भी यहीं होगी। ये जानकारी रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि बुधवार को सेंट्रल लैब को शुरू कर कार्यशील बनाने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार, पैथोलॉजी के एचओडी, बायोकेमेस्ट्री के एचओडी, लैब मेडिसिन के एचओडी, ट्रॉमा लैब के एचओडी समेत अन्य शामिल थे। बैठक में चर्चा हुई कि

कैसे कम लागत के साथ सेंट्रल लैब की शुरूआत की जा सकती है? सामान तो काफी कुछ ऑर्डर किए जा चुके हैं, कुछ ऑर्डर में इन्क्वायरी जारी है, लेकिन जांच तो अभी भी रिम्स में हो ही रही है। कैसे जल्द से जल्द वो नेटवर्क बनाया जाए जिससे जांच के लिए सभी सैंपल यहां से विभागों तक पहुंच सके। इन बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की गई।

अभी होती है ये परेशानीः वर्तमान में रिम्स में भर्ती मरीज या ओपीडी में दिखाने वाले मरीजों को जांच लिखने के बाद अलग-अलग विभाग व लैब के चक्कर काटने होते हैं। कोई जांच पुराने बिल्डिंग स्थित माइक्रोबायोलॉजी लैब के कमरा नंबर 220 में होता है, कुछ जांच 216 नंबर में। कुछ जांच बायोकेमेस्ट्री लैब में, कुछ ट्रॉमा सेंटर के लैब में... ऐसे में मरीज के परिजनों को पूरे रिम्स में घूम-घूमकर सैंपल पहुंचना होता है। इसके बाद रिपोर्ट लेने के लिए दोबारा इन विभागों में जाना होता है।

निदेशक डॉ. राजकुमार ने बताया कि सेंट्रल लैब के फंक्शनल होते ही मरीजों के मोबाइल में रिपोर्ट भेजने की शुरूआत की जाएगी। सभी सैंपलों में बारकोड लगाया जाएगा, जिससे सैंपल की पहचान में मदद मिलेगी और सही व्यक्ति को रिपोर्ट मिल सकेगी। एक वेबसाइट तैयार कर सभी रिपोर्ट अपलोड किए जाएंगे, बारकोड के माध्यम से वह रिपोर्ट आसानी से मोबाइल में डाउनलोड किया जा सकेगा। फिलहाल इसकी व्यवस्था रिम्स में नही है।

झुमरीतिलैया के मकान मालिकों के लिए अच्छी खबर, 30 जून से पहले होल्डिंग टैक्स भुगतान पर मिलेगी छूट

झुमरीतिलैया (कोडरमा), एजेंसी। झारखंड के झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र में वर्ष 2025-26 का होल्डिंग टैक्स 30 जून तक जमा करने पर पांच से दस प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। आवासीय भवनों के मलिक को पांच प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। सीनियर सिटीजन, दिव्यांग, सेना में कार्यरत या सेना से रिटायर ओर ट्रांसजेंडर को विशेष छूट दी जाएगी।

सिटी मैनेजर रणधीर कुमार वर्मा ने कहा कि कमर्शियल होल्डिंग धारक को पांच प्रतिशत की छूट मिलेगी। एक वित्तीय वर्ष में होल्डिंग टैक्स भुगतान नहीं करने पर विभाग द्वारा प्रत्येक महीने पेनल्टी भी लगाई जाती है। उन्होंने बताया कि होल्डिंग टैक्स कलेक्शन के लिए पहला क्वार्टर अप्रैल से जून तक, फिर दूसरा क्वार्टर शुरू हो जाता है।

दूसरा क्वार्टर शुरू होने से पहले होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं करने पर एक प्रतिशत तक का ब्याज भी लगना शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि समाज के सीनियर सिटीजन को विशेष छूट का लाभ उठाना चाहिए। प्रयास करें कि सभी लोग होल्डिंग टैक्स का

भुगतान 30 जून से पहले कर दें।

होल्डिंग टैक्स एक प्रकार का संपत्ति कर है जो नगर निगम या स्थानीय निकाय द्वारा संपत्ति मालिकों से वसूला जाता है। यह कर संपत्ति के मूल्य के आधार पर लगाया जाता है।

होल्डिंग टैक्स की दरें और नियम स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और यह क्षेत्र के अनुसार भिन्न हो सकते हैं। आमतौर पर, होल्डिंग टैक्स का भुगतान वार्षिक या अर्ध-वार्षिक आधार पर किया जाता है।

सुभाषितम्

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना ऑपरेशन सिंदूर

- योगेश कुमार गोयल

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को ह्यसिंदूरह्ण नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दशार्ता है। ह्यसिंदूरह्ण एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।

बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ण पर ह्यजस्टिस इज सर्व्डह्ण यानी ह्यन्याय हो गयाह्ण लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ह्यभारत माता की जयह्ण के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा।

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा। भारत तकनीकी, सैन्य और कूटनीतिक स्थिति की समझ रखती है। भारत की सेना के तीनों अंगों की एक जुटता, भारतीय सेना का साहस, भारतीय सेना का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण, अत्याधुनिक संचार प्रणाली का कोई मुकाबला नहीं है। भारतीय सेना ने जो पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया है वह दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए भी एक संदेश है। मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों के लिए एक सबक है। भारतीय सेना ने मात्र 7 मिनट के अंदर अपनी सीमा के अंदर ही रहते हुए उसके पूरे परिवार को निशाना साधकर पाकिस्तान में ही समाप्त कर दिया। इससे भारत के पड़ोसी देशों में भी हड़कंप की स्थिति है। भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा दुनिया के सभी देशों में हो रही है। भारत की सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह साबित हो गया है। मात्र कुछ मिनट का ऑपरेशन कर दुश्मनों को सबक सिखाने की यह अनूठी घटना है।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे। उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी। जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे ।

आपरेशन सिंदूर एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

- ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए ह्यआपरेशन सिंदूरह्ण की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। ह्यआपरेशन सिंदूरह्ण में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।

आपरेशन सिंदूर से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दशार्ते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को ऑपरेशन सिंदूर नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया। भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

यदि भारत ने पाकिस्तान और वहां पल-पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं। अब तक हमने सदैव ह्यक्षमा करो और भूल जाओह्ण को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिस्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है, उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिस्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिस्तान बड़े-बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फिलहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय मिल गया है। पाकिस्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है।

पाकिस्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है, उसने मयार्दा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेकशून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को परास्त करना जरूरी हो गया था, उसको परास्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही रास्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेस्तनाबूद करना है। अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन पाकिस्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रस्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इस्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है। लेकिन आतंकवाद के शमन का रास्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वस्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं, उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है।

दरअसल, पाकिस्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को अंजाम दिया है। उनकी आतंकी योजनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ी, ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निदोर्षों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये। भारत ने यह कर दिखाया है।

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों ?

- चैतन्य भट्ट

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के स्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के ह्यअंतिम स्वामीह्ण चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैं

धनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति का नाम तो नहीं लिय मगर कहा कि शीर्ष अदालत के हालिया फैसले, जिनकी कुछ भाजपा नेताओं और उपराष्ट्रपति ने आलोचना की है, हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं। संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है मगर संविधान की व्याख्या करना और पूर्ण न्याय करना न्यायालय का दायित्व है। जहां तक निशिकांत दुबे का प्रश्न है भाजपा ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया है

लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिका और विधायिका के बीच ऐसी परिस्थितियां निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मगर यह भी तय है कि किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। तमिलनाडु के राज्यपाल के रवि के मामले को देखें तो तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा पारित अनेक विधेयक तो तीन साल से ज्यादा की अवधि के बाद भी उनके कार्यालय में लंबित थे। और यह अकेला मामला नहीं है। विरोधी पक्ष की सरकारें वाले देश के कितने ही राज्यों में स्थितियां कमोबेश यही हैं। संवैधानिक रूप से राज्यपाल पद बेहद मर्यादित है और उस पर बिना किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति पूर्वाग्रह के विशुद्ध रूप से राज्य सरकार की प्रशासनिक मदद का दायित्व है। टकराव की यह परिस्थितियां और राज्यपाल पद का राजनीतिक दुरुपयोग पहले भी होता रहा है और पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने तो चुनी हुई राज्य सरकार गिराने तक में इसका प्रयोग किया है।

जहां तक विधायिका का प्रश्न है, संसद की कार्यवाही कमोबेश हर सत्र में हंगामे और बहिष्कार का शिकार होती दिखती है। स्वस्थ बहस के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह संस्था अब सरकार और विरोध पक्ष के संघर्ष के लिए ज्यादा पहचानी जाती है। जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक सालों से लंबित पड़े हैं। सदस्यों के लंबित प्राईवेट विधेयकों की संख्या तो सैकड़ों पार कर रही है। यही हाल विधानसभाओं का है। महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रहते हैं और जो स्वीकृत हो जाते हैं वे राजनीतिक रस्साकसी का शिकार होकर वर्षों राज्यपाल के स्तर पर धूल फांकते रहते हैं।

आज का राशिफल

- **मेष** कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपको लाभ देंगी। बॉस या सीनियर आपके काम से संतुष्ट रहेंगे।
- **तुला** व्यावसायिक क्षेत्र में किसी विशेष रणनीति के ज़रिए लाभ कमा सकते हैं।
- **वृषभ** आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन संतुलन बनाए रखने वाला है। कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है।
- **वृश्चिक** आज करियर में चुनौती और अवसर साथ-साथ आएंगे। बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है।
- **मिथुन** करियर में दीर्घकालिक सफलता से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
- **धनु** आज दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरीपेशा लोगों को नुकसान की आशंका है।
- **कर्क** आपको पुराने क्लाइंट से बकाया पैसा मिल सकता है या नई डील फाइनल हो सकती है।
- **मकर** दिन मिलाजुला रहेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें, विशेषकर आर्थिक विषयों में।
- **सिंह** आज लाभ होगा और आपको आपको करियर में एक नई दिशा मिलने वाली है।
- **कुंभ** आज दिन शुभ है और करियर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है।
- **कन्या** दिन अनुकूल है और किसी लंबित सरकारी कार्य या लोन अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी होने से राहत मिलेगी।
- **मीन** प्रतिस्पर्धा होगी, लेकिन आप अपनी रचनात्मकता और कार्यकुशलता से सबसे अलग दिखेंगे।

विशेष

संकट की घड़ी में विपक्ष सरकार के साथ

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रुप से ऑपरेशन सिंदूर चला पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं को माकूल जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ ही केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई और यथा स्थिति से सभी को अवगत कराया। इस बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कुछ ऐसा कह दिया कि पाकिस्तान की सांसें रुक गईं। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं होता, कार्रवाई जारी रहेगी। इसका सीधा मतलब यह है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह जारी है। उन्होंने कहा कि इस एयरस्ट्राइक में करीब 100 आतंकी मारे गए हैं। सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसकी पुष्टि कर दी। बैठक की खास बात यह रही कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्पष्ट कहा कि इस संकट के समय में हम सभी केंद्र सरकार के साथ हैं।

चीन के अब क्यों बदल गए सुर

सीमा पर बार-बार आंख दिखाने वाले चीन के भी अब सुर बदलते दिख रहे हैं। दरअसल पाकिस्तान पर भारत की एयरस्ट्राइक से पड़ोसी मुल्क में भी हलचल मच गई है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़े तनाव के बीच चीन लगातार पाकिस्तान को समर्थन कर रहा था, लेकिन भारत के ऑपरेशन सिंदूर के सफल रहने के बाद चीन के सुर पूरी तरह बदल गए हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1540 महाराणा प्रताप का जन्म हुआ। 1788 ब्रिटेन ने दास व्यापार समाप्त करने के लिए संसदीय प्रस्ताव पारित किया. 1866 राष्ट्रीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म हुआ. 1933 नाजियों ने बर्लिन में 25 हजार किताबों की होली जलाई. 1936 इटली ने इथोपिया पर कब्जा किया. 1955 पश्चिम जर्मनी नाटो का सदस्य बना. 1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के प्रतिनिधि शांति वार्ता में भाग लेने पेरिस पहुंचे. 1978 इटली के पूर्व प्रधानमंत्री एल्डो मोरो का गोली से छलनी शव मध्य रोम में मिला. 1987 पोलैंड का विमान 83 यात्रियों सहित दुर्घटनाग्रस्त हो गया, 1991 यूगोस्लाव सेना को सर्व और क्रोट के बीच जातीय संघर्ष समाप्त करने के लिए अधिकृत किया गया 1995 स्वतंत्रता सेनानी और गांधीजी के निकट आभा गांधी का निधन।

दैनिक पंचांग

9 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

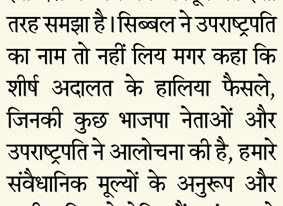

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.45 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.44 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.57 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.13 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.25 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.36 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.51 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.07 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.12 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कुंभ	00.58 बजे से
		मीन	02.31 बजे से
		मेष	04.01 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 129 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 14.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 02.58 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 14.57 बजे तदनन्तर कौलव 04.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872339
जूलियन दिन 2460804.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।
शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कभी कम ना होने दें।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

हार्मोनल इंबैलेंस से जुड़ी दिक्कतें दूर करता है कपालभाति

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इंबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिस्टम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोंस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोंस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है।

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

घातक रोग का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियों में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालों में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

- चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
- आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
- रक्त में थक्के
- हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
- हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

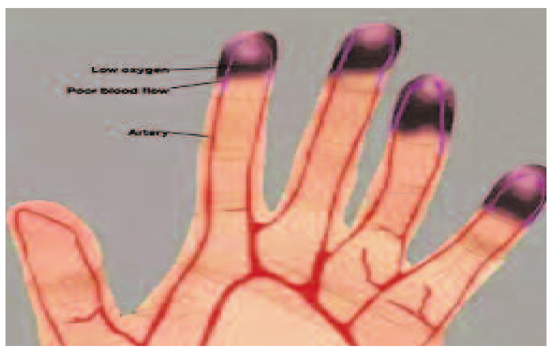

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच

एक्सपोर्ट के मोर्चे पर भारत का बड़ा धमाका

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के साथ टैरिफ पर तनातनी के बीच भारत ने एक्सपोर्ट के मोर्चे पर बड़ा धमाका कर दिया। भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में मार्च बहुत तेजी आई और यह लगभग 47 प्रतिशत बढ़कर .11.2 बिलियन पहुंच गया। पहली बार किसी एक महीने में अमेरिका को एक्सपोर्ट 11 अरब डॉलर के पार गया है। इस दौरान खासकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, हीरे-जवाहरात और

कपड़ों के निर्यात में काफी तेजी आई। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ सामान पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ लगने से पहले ही भारतीय कंपनियों ने भारी मात्रा में अमेरिका को एक्सपोर्ट किया।

यह पहला मौका है जब भारत ने एक महीने में अमेरिका को .11 बिलियन से ज्यादा का सामान बेचा है। इससे पहले मई 2022 में भारत से अमेरिका को 8.5 बिलियन का निर्यात हुआ था।

तीन महीने का एक्सपोर्ट

इस दौरान अमेरिका का व्यापार घाटा काफी बढ़ गया। वहां के दुकानदारों ने सोचा कि टैक्स लगने से कीमतें बढ़ जाएंगी, इसलिए उन्होंने पहले से ही ज्यादा सामान खरीद लिया। टाइम्स ऑफ इंडिया ने पहले ही बताया था कि श्वश्वद्द कंपनी ने द्वक्क्द्ध्रश्ध्रुद्द जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान से भरे पांच हवाई जहाज अमेरिका भेजे ताकि टैरिफ से बचा जा सके। हीरे-जवाहरात का निर्यात भी बहुत बढ़ गया। हालांकि इससे आने वाले महीनों में निर्यात थोड़ा कम हो सकता है। इस बीच जनवरी से मार्च के महीने में भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात 30 प्रतिशत बढ़कर 27.7 बिलियन हो गया। वहीं, अमेरिका से भारत में आने वाले सामान की वैल्यू 6.1 प्रतिशत बढ़कर .10.5 बिलियन हो गई।

नौकरियों के आवेदन में पहली तिमाही में 30 प्रतिशत की आई तेजी, 62 लाख महिलाओं ने भरे फॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेशर्स व महिलाओं को नौकरियों की सबसे ज्यादा जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च तिमाही में कंपनियों के पास

1.81 करोड़ नौकरी के आवेदन आए हैं जो एक साल पहले की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। सबसे अधिक 62 लाख आवेदन महिलाओं ने दिए हैं जो पिछले साल की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। अपना की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के आवेदन में यह वृद्धि बीपीओ, फाइनेंस, मानव संसाधन और शिक्षा जैसे क्षेत्र में बेहतर कार्य विकल्प के कारण हुई है। चंडीगढ़, इंदौर और जमशेदपुर जैसे शहरों में महिलाओं के आवेदन दोगुने से अधिक हो गए। यह प्रमुख महानगरों की वृद्धि दर से अधिक है। फ्रेशर्स की ओर से भी 66 लाख आवेदन आए हैं जो पिछले साल की तुलना में 46 फीसदी अधिक है।

3.1 लाख नौकरियां निकालीं गईं

जनवरी-मार्च में 3.1 लाख नौकरियां पोस्ट की गईं। पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत ज्यादा है। एलआईसी, पेटीएम, और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों ने 2.1 लाख नौकरियां पोस्ट की। वारंगल, जबलपुर व प्रयागराज जैसे छोटे शहरों से प्रतिभाओं में 20 से 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली से लेकर देहरादून तक भारत के भर्ती परिदृश्य को एक नया रूप दिया जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आईपीओ लाने की योजना टाल रही हैं कई कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024 में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी के बाद अब कई कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च करने की योजना को टाल रही हैं। ऐसे में इस साल आईपीओ के जरिए निवेशकों के बाहर निकलने (एक्जिट) पर असर पड़ सकता है। यह बात बैन एंड कंपनी और इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन की एक संयुक्त रिपोर्ट में सामने आई है। निवेशकों के लिए एक्जिट यानी अपनी लिक्विडिटी (नकदी) पाने का महत्त्वपूर्ण रास्ता होता है। पिछले साल की जबरदस्त तेजी के बाद इस साल भारत में आईपीओ बाजार की रफ्तार कम हो गई है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियों ने अपने इंडिया यूनिट का आईपीओ टाल दिया है। मंगलवार को ईवी स्टार्टअप एथर एनर्जी की लिस्टिंग भी फीकी रही और उसके शेयर इश्यू प्राइस से करीब 6 प्रतिशत नीचे लिस्ट हुए। अर्बन कंपनी ने भी हाल ही में अपने आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए, लेकिन उसने अपना आईपीओ साइज 3,000 करोड़ रुपये से घटाकर 1,900 करोड़ रुपये कर दिया है।

क्या है वजह- दरअसल, 2024 में बाजार में जबरदस्त तेजी थी, जिसकी वजह से आईपीओ से निवेशकों को लगभग 4 अरब डॉलर मिले। यह 2023 के 1.8 बिलियन डॉलर से दोगुने से भी ज्यादा है। कई कंपनियों के पब्लिक होने से निवेशकों को अपना पैसा निकालने का अच्छा मौका मिला था रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की आखिरी तिमाही से भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट से आईपीओ

के जरिए निवेशकों के एक्जिट की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

इसका सीधा मतलब है कि बाजार की मौजूदा हालत के कारण न तो कंपनियों को अपनी वैल्यू के हिसाब से पैसा मिल पा रहा है, और न ही निवेशकों को समय पर अपना पैसा निकालने का मौका मिल रहा है। इस साल अब तक आईपीओ फाइलिंग्स की संख्या पिछले साल के मुकाबले कम रही है। जिन कंपनियों पर निवेशकों का दबाव है कि वे उन्हें पैसे लौटाएं, वे अब आईपीओ का साइज कम करने और वैल्यूएशन घटाने जैसे विकल्प देख रही हैं।

सब्जियों के भाव घटने से घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी थाली 4 प्रतिशत सस्ती, मांसाहारी थाली का ये है रेट

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट से घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी थाली सालाना आधार पर अप्रैल में चार फीसदी सस्ती होकर 26.3 रुपये पर आ गई है। मासिक आधार पर इसमें एक फीसदी की कमी आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में टमाटर की कीमतें 34 फीसदी घट गई हैं। आलू के भाव 11 फीसदी और प्याज के भाव 6 फीसदी घटे हैं। हालांकि, खाद्य तेलों के दाम में 19 फीसदी और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में छह फीसदी की तेजी ने थाली की कीमतों में और गिरावट को रोक दिया।

मांसाहारी थाली का भाव 53.9 रुपये - रिपोर्ट के अनुसार, मांसाहारी थाली सालाना आधार पर चार फीसदी और मासिक आधार पर दो फीसदी सस्ती होकर 53.9 रुपये पर आ गई है। चिकन और सब्जियों की कीमतों में गिरावट का असर मांसाहारी थाली पर दिखा है। मांसाहारी थाली में 50 फीसदी लागत अकेले चिकन की होती है। जबकि प्याज भी लागत में बहुत योगदान करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य तेलों की कीमतें अगले दो से तीन महीने में कम होने लगेंगी।

तीन फीसदी से नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई- इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के आंकड़ों में खुदरा महंगाई की दर तीन फीसदी से नीचे जा सकती है। इसके आंकड़े अगले हफ्ते जारी होंगे। पिछले कुछ समय से खाद्य वस्तुओं खासकर दालों और सब्जियों के भाव में भारी गिरावट आई है जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिखेगा। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई में कमी से आरबीआई को दरों में कटौती का और अवसर मिलेगा। जून में होने वाली बैठक में रेपो दर में ज्यादा कटौती हो सकती है। टमाटर, प्याज और आलू उत्पादक राज्यों में गर्मी में कमी आई है। टमाटर की खुदरा कीमत अगस्त, 2024 के बाद से सबसे कम हो गई है। यह अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 34.4 प्रतिशत कम हो गई है। आलू और प्याज की कीमतें अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर क्रमशः 11 प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत घटी हैं।

चावल की खुदरा कीमत 4.1 प्रतिशत घटी- चावल की खुदरा कीमत मार्च की तुलना में अप्रैल में 4.1 प्रतिशत की घटी है। हालांकि, खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी आई हैं, पर यह खुदरा महंगाई को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं हैं। टमाटर, प्याज और आलू की आवक में जबरदस्त से कीमतों में गिरावट है।

खाद्य कीमतों में गिरावट बेहतर प्रबंधन का नतीजा- उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि खाद्य कीमतों में जो गिरावट आ रही है वह सरकार के बेहतर प्रबंधन का नतीजा है। पिछले साल अलनीनो और भारी गर्मी की वजह से फसलों के उत्पादन और आवक पर असर पड़ा था। इससे महंगाई बढ़ी थी। हालांकि, पीली मटर और चना का आयात करना पड़ा जिससे उपलब्धता बढ़ गई। प्याज और दाल की कीमतों को कम करने के लिए सरकार ने सस्ते भाव पर ग्राहकों को बेचा। अब गर्मी सही है, बारिश का अनुमान अच्छा है तो दालों की पैदावार के साथ सब्जियों की भी कीमतें नियंत्रण में रहने की उम्मीद है।

लाहौरी जीरा पर मोतीलाल ओसवाल ने लगाया दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ की एक कंपनी है लाहौरी। यह कंपनी लोकल फ्लेवर वाले कार्बोनेटेड नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स बनाती है। हाल ही में, कंपनी को मोतीलाल ओसवाल वेल्थ से 200 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है। यह जानकारी कंपनी के रेगुलेटरी फाइलिंग से मिली है। इस निवेश के बाद लाहौरी की वैल्यूएशन 2,800 करोड़ रुपये हो गई है। साल 2022 में कंपनी की वैल्यूएशन 900 करोड़ रुपये थी। इस हिसाब से कंपनी की वैल्यूएशन तीन गुना बढ़ गई है।

अक्टूबर 2024 में ही बता दिया था कि लाहौरी पर मोतीलाल ओसवाल जैसे निवेशकों से प्राइमरी और सेकेंडरी सेल के जरिए 400 करोड़ रुपये की फंडिंग मिल सकती है। ईटी के सूत्रों की मानें तो इस फंडिंग राउंड में कंपनी के फाउंडर्स और मौजूदा निवेशक वर्लिनवेस्ट अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेचेंगे। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास मौजूद जानकारी के अनुसार, मोतीलाल ओसवाल वेल्थ प्राइमरी इन्वेस्टमेंट के लिए लाहौरी में 7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी।

तेजी से बढ़ रहा है बिजनेस- लाहौरी कंपनी का बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए कंपनी की वैल्यूएशन भी बढ़ गई है। फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में कंपनी ने 312 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया था। यह पिछले साल के मुकाबले 47 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का नेट प्रॉफिट भी तीन गुना बढ़कर 22 करोड़ रुपये हो गया है। अनुमान है कि फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में कंपनी 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का रेवेन्यू कमाएगी।

किन्होंने शुरू किया लाहौरी

लाहौरी कंपनी को साल 2017 में रिश्ते के तीन भाइयों- सौरभ मुंजाल, सौरभ भुटना और निखिल डोडा ने मिलकर शुरू किया था। इन तीनों के पास कंपनी की 78.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। कंपनी का सबसे फेमस प्रोडक्ट लाहौरी जीरा है। यह जीरा फ्लेवर वाला कार्बोनेटेड ड्रिंक है, जो ऑफलाइन मार्केट में बहुत पसंद किया जाता है। इसके अलावा, कंपनी नींबू से बने ड्रिंक्स भी बेचती है, जैसे कि शिकंजी, जो उत्तरी भारत में बहुत फेमस है।

क्या होगा फंड का

लाहौरी कंपनी इस नए फंड का इस्तेमाल अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को बढ़ाने के लिए करेगी। कंपनी की योजना है कि वह अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को 5 मिलियन बोतल प्रति दिन से बढ़ाकर 8 मिलियन बोतल प्रति दिन कर ले।

अभी कंपनी के पंजाब और गुजरात में दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं। कंपनी उत्तर प्रदेश में एक नया प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है।

कहां से आती है अधिकतर कमाई- लाहौरी कंपनी अपनी कमाई का 95 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा ऑफलाइन चैनल से करती है। लेकिन हाल ही में, कंपनी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी अपना प्रोडक्ट बेचना शुरू कर दिया है। इंडियन बेवरेज एसोसिएशन के अनुसार, भारत में नॉन-अल्कोहलिक बेवरेज सेगमेंट (जिसमें कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स, पानी, जूस और स्पोर्ट्स ड्रिंक्स शामिल हैं) 2030 तक बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। अभी यह लगभग 67,000 करोड़ रुपये का है।

कोका कोला, पेप्सिको से लेकर रिलायंस तक- कार्बोनेटेड बेवरेज मार्केट में कोका कोला और पेप्सिको जैसी कंपनियों का दबदबा है।

सपना पूरा करने के लिए उठाया जोखिम

बहनों ने मलाईदार नौकरी छोड़ शुरू किया ये काम, अब बरस रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल हर जगह मुकाबला है। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। इस वजह से स्वास्थ्य पीछे छूट जाता है। युवा पेशेवर आगे निकलने के लिए एक जगह पर बैठकर काम करते रहते हैं। वे काम और अपनी देखभाल के बीच संतुलन नहीं रखते। यह देखने में अच्छा लग सकता है, लेकिन यह स्वास्थ्य को बहुत नुकसान पहुंचाता है। हैदराबाद की दो बहनों वेदा और सुधा गोगिनेनी ने युवाओं में बढ़ती इस समस्या को देखा। वे खुद भी इस परेशानी से रूबरू हुईं। मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़कर उन्होंने एक हेल्थ स्टार्टअप शुरू किया। इसका नाम है- अर्थफुल। यह स्टार्टअप हर्बल न्यूट्रीशनल प्रोडक्ट्स बनाता है। हाल में इसे शार्क टैंक इंडिया से भी लाखों की फंडिंग हासिल हुई। आइए, यहां वेदा और सुधा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बहनों ने एक ही तरह की दिक्कत का किया सामना- वेदा गोगिनेनी ने आइआइटी खड़गपुर से बायोटेक्नोलॉजी में ग्रेजुएशन किया है। वह एक अच्छी नौकरी भी कर रही थीं। लेकिन, इस दौरान उन्होंने अपनी खराब लाइफस्टाइल पर ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि उनकी सेहत बिगड़ने लगी। उनकी एनर्जी कम हो गई। हर कप कॉफी के बाद उन्हें एसिडिटी होने लगी। मुश्किल से योगासन कर लेती थीं। लेकिन, घुटनों में दर्द रहता था। बाल झड़ रहे थे। त्वचा में दिक्कतें थीं। पीठ में दर्द रहता था। नींद भी ठीक से नहीं आती थी। चेकअप कराने पर पता चला कि शरीर में कैल्शियम की कमी है। तब उन्हें एहसास हुआ कि एक जगह पर बैठे रहने से कितना नुकसान हुआ है। ठीक ऐसी ही दिक्कतें उनकी बड़ी बहन सुधा के सामने भी आ रही थीं। उन्होंने केमिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है।

2020 में शुरू किया स्टार्टअप- अपनी सेहत से जुड़े अनुभव और शिक्षा से मिली जानकारी से बहनों को एक ऐसा समाधान बनाने की प्रेरणा मिली जो हमेशा काम आए। इसी से अर्थफुल स्टार्टअप की शुरुआत हुई। वेदा और उनकी बड़ी बहन सुधा ने मिलकर सेहत और पोषण से जुड़े उत्पाद बनाने का विचार किया। दोनों बहनों ने अपनी सेहत को बिगड़ते हुए देखा था। दोनों का बैकग्राउंड बायोटेक्नोलॉजी और केमिकल इंजीनियरिंग में है।

- **शार्क टैंक इंडिया में झटकी डील-** वेदा और सुधा ने विज्ञान के अपने ज्ञान का इस्तेमाल करके मल्टीविटामिन और हर्बल कॉम्बिनेशन बनाए। इनमें अमरूद के पत्ते, करी पत्ते और कई चीजें शामिल हैं। उनका स्टार्टअप टियर-1 और टियर-2 शहरों में तेजी से बढ़ा। सफलता मिलने के बाद उन्हें ओयो रूम्स के संस्थापक रितेश अग्रवाल से शार्क टैंक इंडिया सीजन 4 में 75 लाख रुपये का निवेश भी मिला। कंपनी का सालाना रेवेन्यू रन रेट 15 करोड़ रुपये का है।
- **सपना पूरा करने के लिए उठाया जोखिम-** दोनों बहनों ने अपनी अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां छोड़ दीं। उन्होंने विदेश में काम करने के मौके भी छोड़ दिए। उन्होंने सिर्फ अपने सपने को पूरा करने के लिए अपनी कंपनी शुरू करने का जोखिम उठाया। अर्थफुल का मकसद लोगों को प्राकृतिक और स्वस्थ उत्पाद उपलब्ध कराना है ताकि लोग स्वस्थ जीवन जी सकें। अर्थफुल के उत्पाद प्राकृतिक चीजों से बने होते हैं।

आंकड़े: 2.23 लाख करोड़ के आईपीओ कतार में, 74 कंपनियां मंजूरी के इंतजार में; फिर से कंपनियों को करना होगा आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ और देशों के बीच तनाव बढ़ने से भारतीय आईपीओ बाजार करीब छह माह से सुस्त पड़ा हुआ है। अब कंपनियां बाजार में उतरने के लिए स्थितियां सही होने का इंतजार कर रही हैं। कुल 2.23 लाख करोड़ रुपये के आईपीओ कतार में हैं। इनमें से 1.04 लाख करोड़ रुपये के इश्यू को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 1.19 लाख करोड़ रुपये के लिए कंपनियों ने मसौदा जमा कराया है। प्राइम डाटाबेस के आंकड़ों के मुताबिक, 63 कंपनियों को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी से मंजूरी मिल चुकी है। 74 कंपनियां अब भी सेबी से मंजूरी के इंतजार में हैं। यह सभी कंपनियां शेयर बाजार में उतर जाती हैं तो 2.23 लाख

करोड़ रुपये जुटा लेंगी। इससे बड़ा फायदा यह होगा कि हमारे शेयर बाजार का पूंजीकरण बढ़ेगा। निवेशकों को अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों में निवेश का मौका मिलेगा। प्राइम डेटाबेस के अनुसार, भारत पिछले साल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ बाजार था। इस साल अब तक स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध आईपीओ में 58 प्रतिशत की गिरावट आई है।

फिर से कंपनियों को करना होगा आवेदन- विश्लेषकों के मुताबिक, जिन कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल चुकी है और अगर वे अगले कुछ महीनों में बाजार में नहीं आती हैं तो मंजूरी खत्म हो जाएगी। ऐसे में उनको नए सिरे से आवेदन करना होगा। वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए इस समय केवल चुनिंदा संस्थागत निवेशक ही निवेश को तैयार हैं। यह रुझान इस बात का संकेत है कि वैश्विक व्यापार युद्ध और देशों के बीच तनावों ने आर्थिक दृष्टिकोण को धुंधला कर दिया है। दो अप्रैल से निफ्टी-50 में 4.8 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि, सितंबर के अंत में रिकॉर्ड ऊंचाई से अभी भी 7 फीसदी नीचे है।

दुनिया में भारतीय आईपीओ बाजार सबसे बेहतर- भारतीय आईपीओ बाजार हाल के समय में दुनिया में बेहतर रहा है। खासकर कोरोना के बाद नए निवेशकों ने अच्छा खासा पैसा लगाया है।

टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास का शानदार रहा रिजल्ट

हर शेयर पर 7 रुपये का डिविडेंड भी, तभी तो चढ़े 3 प्रतिशत

मुंबई एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास को जानते होंगे। बीएसई पर गुरुवार को इसके शेयर 3.5 प्रतिशत तक चढ़ गए। इसके शेयर बीएसई पर 1287.6 रुपये पर पहुंच गए। दरअसल, कंपनी ने मार्च तिमाही के जो नतीजे जारी किए, उसमें पिछले साल के मुकाबले इस साल प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। कंपनी का मुनाफा 108 प्रतिशत बढ़कर 241 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 116 करोड़ रुपये था।

आमदनी बढ़ी

इस दौरान वोल्टास की आमदनी में भी बढ़ोतरी हुई है। यह 13.4 प्रतिशत बढ़कर 4,768 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल यह 4,203 करोड़ रुपये थी। हालांकि, यह विश्लेषकों की उम्मीद से कम रही। विश्लेषकों ने 4,897 करोड़ रुपये की उम्मीद की थी। क्यू4 एफवाय25 के लिए कुल आय 14 प्रतिशत बढ़कर 4,847 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल यह 4,257 करोड़ रुपये थी। इबीआइटीए 74.6 प्रतिशत बढ़कर 332.8 करोड़ रुपये हो गया। पहले

यह 191 करोड़ रुपये था। लेकिन, यह भी बाजार के अनुमान से कम रहा। बाजार का अनुमान 354 करोड़ रुपये था। ऑपरेटिंग मार्जिन 7 प्रतिशत हो गया, जो पिछले साल 4.5 प्रतिशत था।

हर शेयर पर 7 रुपये का डिविडेंड

कंपनी के बोर्ड ने एक और फैसला लिया है। बोर्ड ने एफवाय25 के लिए 7 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है। इसका मतलब है कि शेयरधारकों को फायदा होगा।

क्या है वोल्टास का टारगेट- अब बात करते हैं वोल्टास के शेयर के टारगेट प्राइस की। ट्रेंडलीन के डेटा के अनुसार, शेयर का औसत टारगेट प्राइस 1,548 रुपये है। इसका मतलब है कि अभी के बाजार मूल्य से 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। 36 विश्लेषकों ने इस शेयर को बाय करने की सलाह दी है। इसका मतलब है कि ज्यादातर विश्लेषकों को लगता है कि यह शेयर अच्छा प्रदर्शन करेगा।

टेक्निकल एनालिसिस क्या कहता है- शेयर का सापेक्ष शक्ति सूचकांक (आरएसआई) 42.2 है। आरएसआई एक इंडिकेटर है जो बताता है कि शेयर ओवरबॉट है या ओवरसोल्ड। 30 से नीचे का आरएसआई ओवरसोल्ड माना जाता है, जबकि 70 से ऊपर का आरएसआई ओवरबॉट माना जाता है।

भारत के अगले टेस्ट कप्तान पर पूर्व क्रिकेटर ने दी राय

बुमराह को मौका मिलना चाहिए...

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भविष्य में टीम की कमान संभालने का मौका दिया जाना चाहिए। रोहित ने 11 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया जिससे इस साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत से पहले नए कप्तान पर बहस तेज हो गई है। अगले कप्तान के संभावित उम्मीदवार के बारे में बात करते हुए मदन लाल ने कहा, जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए। वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह टीम के स्थायी सदस्य हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है...।

2022-25 के बीच बुमराह ने तीन टेस्ट मैचों में भारत की अगुआई की, जिसमें से एक में जीत मिली और दो में हार मिली। वह पहले भी टेस्ट में भारत के उप-कप्तान रह चुके हैं। टेस्ट में उनकी कप्तानी का कार्यकाल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के साथ शुरू हुआ जिसमें भारत सात विकेट से हार गया। कप्तान के रूप में उनका अगला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पर्थ में हुआ, जहां उन्होंने भारत को यादगार 295 रनों की जीत दिलाई और श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। यह श्रृंखला में टीम की एकमात्र जीत भी थी। सिडनी में अंतिम टेस्ट में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बाद वह कप्तान के रूप में लौटे लेकिन भारत टेस्ट और श्रृंखला 1-3 से हार गया और आधिकारिक तौर पर आईसीसीविश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। गौर हो कि रोहित ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का एक प्रसिद्ध अध्याय समाप्त हो गया। 38 वर्षीय बल्लेबाज ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर यह खबर साझा की, प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपने सफर को दर्शाया। रोहित ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 67 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 40.57 की औसत से 12 शतक और 18 अर्द्धशतक के साथ 4,301 रन बनाए।

रोहित शर्मा का लक्ष्य 2027 में वनडे विश्व कप जीतना है

बचपन के कोच दिनेश लाड ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज का लक्ष्य 2027 में एकदिवसीय विश्व विश्व कप जीतना है। भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप और इस साल के शुरू में चैंपियंस ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट जीता था। भारत ने 2011 के बाद वनडे विश्व कप नहीं जीता है और देश के सबसे सफल कप्तानों में से एक रोहित यह ट्रॉफी भी अपने नाम पर दर्ज करना चाहेंगे। लाड ने कहा, उनका (रोहित) लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप जीतना और फिर संन्यास लेना है। लाड ने कहा, 'उनका लक्ष्य विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप था, लेकिन दुर्भाग्य से हम क्वालीफाई नहीं कर सके। अब 2027 में विश्व कप है। मैं भी चाहता हूं कि वह 2027 में विश्व कप जीते और फिर संन्यास लें। वनडे विश्व कप 2027 में अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। लाड ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना अपने करियर को लंबा खींचने के लिए एक रणनीतिक फैसला है। उन्होंने कहा, 'रोहित ने इसे (टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला) जल्दबाजी में नहीं लिया। वह विश्व कप (पिछले साल अमेरिका में) के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते थे, लेकिन अन्य दो प्रारूपों में खेलने का फैसला उनका था। उन्होंने इस बारे में अच्छी तरह से सोचा होगा कि उनके लिए सबसे अच्छा क्या है। जब उनसे पूछा गया कि क्या रोहित इंग्लैंड के खिलाफ इस साल जून में होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में कप्तानी करने को लेकर आश्वस्त नहीं थे, उन्होंने कहा, 'इस फैसले का इंग्लैंड के आगामी दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी सोच अगली पीढ़ी को मौका देना होगा, जैसा उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद किया था। लाड ने यह भी साझा किया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित की टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर खेली गई शतकीय पारी उनका सबसे यादगार पल था। रोहित ने 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। यह उनकी मेरी पसंदीदा टेस्ट पारी है।

आचार संहिता के उल्लंघन पर वरुण चक्रवर्ती पर लगा जुर्माना

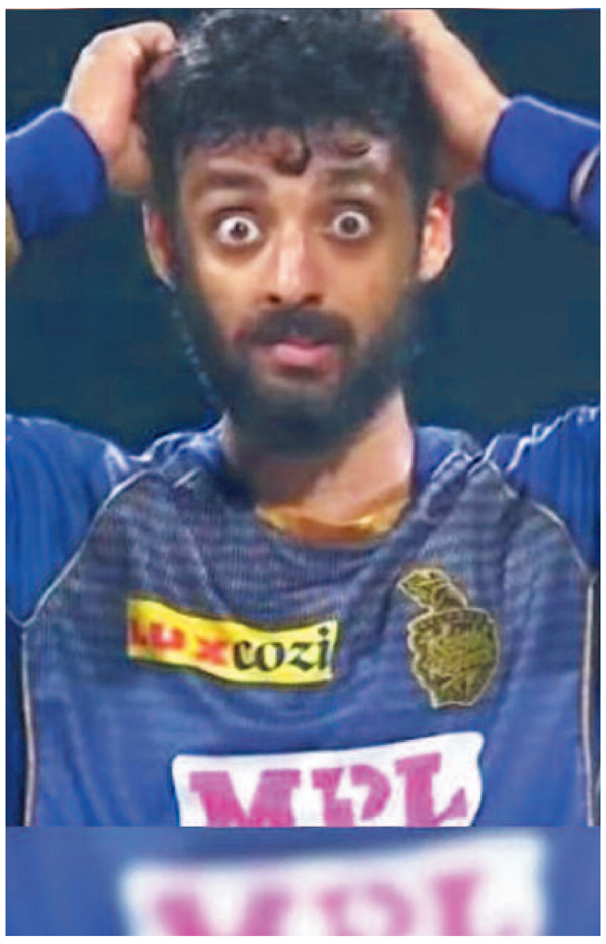

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर बुधवार को ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया। वरुण को आईपीएल आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी के प्रति अपमानजनक भाषा, कार्य या हाव-भाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़काने से संबंधित है। आईपीएल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वरुण चक्रवर्ती ने आर्टिकल 2.5 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

आईपीएल आचार संहिता आर्टिकल 2.5 के अनुसार, जब कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा होता है तो उत्साह में कई बार गेंदबाज बल्लेबाज ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे बल्लेबाजी की ओर से जवाबी प्रतिक्रिया मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कई मौकों पर फील्ड अंपायरों को बीच-बचाव के लिए आना पड़ता है। गेंदबाज की ओर से बल्लेबाज के प्रति इस तरह की प्रतिक्रिया अपमान के तौर पर मानी जाती है। भले ही बल्लेबाज स्वयं अपमानित न महसूस करता हो। आर्टिकल 2.5 में अगर कोई बल्लेबाज आउट होकर पवेलियन लौट रहा हो उस वक्त गेंदबाज की ओर से उसके बहुत करीब जाकर जश्न मनाना, आउट बल्लेबाज को मौखिक रूप से गाली देना, पवेलियन की ओर इशारा करना आदि ऐसे मामले हैं जिनमें गेंदबाज को दोषी ठहराया जा सकता है।

कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बुधवार को ईडन गार्डन्स में एक महत्वपूर्ण मैच खेला गया। सीएसके जो इस सीजन में लगातार हार का सामना कर रही थी, उसे केकेआर के सामने इस सीजन की तीसरी जीत मिली। सीएसके ने केकेआर को दो विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, केकेआर ने 6 विकेट पर 179 रन बनाए। सीएसके की शुरुआत काफी खराब रही। लेकिन, आखिरी ओवर में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने छक्का जड़ टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया।

नहीं पता मेरा आखिरी मैच कब होगा

धोनी ने दे दिए आईपीएल 2026 में खेलने के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बुधवार (8 मई) को संकेत दिए कि वह अगले साल भी पीली जर्सी में दिखाई देंगे। ईडन गार्डन में मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि वह 6-8 महीने तक कड़ी मेहनत करने और अपने शरीर का आकलन करने के बाद आईपीएल भविष्य पर फैसला करेंगे। भारत के पूर्व कप्तान ने स्वीकार किया कि वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और प्रशंसकों को नहीं पता कि कौन सा मैच उनका आखिरी मैच होगा। उन्होंने कहा, यह प्यार और स्नेह मुझे हमेशा मिलता रहा है। यह न भूलें कि मैं 42 (43) वर्ष का हूं। मैंने लंबे समय तक खेला है। उनमें से बहुतों को नहीं पता कि मेरा आखिरी मैच कब होगा, इसलिए वे आकर मुझे खेलते हुए देखना चाहते हैं।

अगले 6-8 महीनों तक कड़ी मेहनत करनी होगी

धोनी ने अपने करियर को अंतिम चरण में बातते हुए कहा, इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता। इस आईपीएल के खत्म होने के बाद मुझे अगले 6-8 महीनों तक कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि यह पता चल सके कि मेरा शरीर इस दबाव को झेल सकता है या नहीं। अभी कुछ तय नहीं करना है, लेकिन मैंने जो प्यार और स्नेह देखा है, वह शानदार है।

धोनी ने 12 मैचों में 180 रन बनाए

इस सीजन में बल्ले से जूझने वाले धोनी ने 12 मैचों में 180 रन बनाए हैं। वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 रन बनाकर नाबाद रहे और अंतिम ओवर में छक्का लगाकर सीएसके को गत चैंपियन द्वारा निर्धारित 180 रन के लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अनुभवी खिलाड़ी ने सुनील नरेन को स्टंप किया और फिर अंगकृष रघुवंशी का कैच लेकर आईपीएल इतिहास में 200 शिकार करने वाले पहले विकेटकीपर बन गए।

चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल आरसीबी से जुड़े

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है।आईपीएल ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए देवदत्त पडिक्कल की चोट के कारण उनकी जगह लेने के लिए मयंक अग्रवाल को अनुबंधित किया है। इस सीजन में आरसीबी के लिए 10 मैच खेलने वाले और दो अर्धशतकों की मदद से 247 रन बनाने वाले देवदत्त पडिक्कल को दाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई है। मयंक अग्रवाल ने अब तक 127 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं। उनके नाम 1 आईपीएल शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं।वे 1 करोड़ रुपये में आरसीबी से जुड़े हैं।

नीतिश राणा आईपीएल 2025 से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नीतिश राणा इंजरी की वजह से आईपीएल 2025 से बाहर हो गए। नीतिश के बाहर होने के बाद राजस्थान फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह टीम में साउथ अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया है। लुआन को राजस्थान ने अपनी टीम में उनके बेस प्राइस यानी 30 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। नीतिश राणा ने इस सीजन में राजस्थान के लिए 11 मैच खेले थे और इन मैचों में उन्होंने 2 अर्धशतक की मदद से 217 रन बनाए थे। नीतिश का बेस्ट स्कोर इस सीजन में 81 रन था जबकि उनका औसत इन मुकाबलों में 21.70 का था। नीतिश ने इस सीजन में 161.94 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। 11 मैचों में उन्होंने 27 चौके और 9 छक्के भी लगाए थे। नीतिश को राजस्थान ने इस सीजन में 4.20 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। लुआन साउथ अफ्रीका के अनकैप्ड बाएं हाथ के ओपनर और विकेटकीपर हैं। लुआन साउथ अफ्रीका टी20 लीग में राजस्थान की टीम पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हैं। 19 साल के लुआन ने अब तक कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में अब तक 33 टी20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 911 रन बनाए हैं और इन मैचों में उन्होंने 6 अर्धशतक जड़े हैं। टी20 प्रारूप में लुआन का बेस्ट स्कोर 97 रन रहा है। इन मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 147.17 का रहा है।झआईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम के नियमित कप्तान संजू सैमसन इंजरी की वजह से इस सीजन के ज्यादातर मैचों में नहीं खेल पाए और उनकी जगह टीम की कप्तानी रियान पराग कर रहे हैं। राजस्थान ने अब तक 12 मैच खेले हैं और इन मैचों में इस टीम को 3 मैचों में जीत मिली है जबकि 9 मैचों में हार मिली है। खबर लिखे जाने तक राजस्थान के 6 अंक थे और अंकतालिका में ये टीम 9वें नंबर पर थी।

सुपरबेट शतरंज क्लासिक में गुकेश ने प्रज्ञानंद से ड्रॉ खेला, 35 चाल के बाद बनी सहमति

बुकारेस्ट (रोमानिया), एजेंसी। फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और वेस्ली सो ने दस खिलाड़ियों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त बढ़त बना ली है। इन दोनों ने क्रमश : फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और रोमानिया के डेक बोगदान-डेनियल को हराया। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने बुधवार को यहां सुपरबेट शतरंज क्लासिक्स में अपने अभियान की शुरुआत साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद के खिलाफ ड्रॉ के साथ की। गुकेश और प्रज्ञानानंद 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए। फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और वेस्ली सो ने दस खिलाड़ियों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त बढ़त बना ली है। इन दोनों ने क्रमश : फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और रोमानिया के डेक बोगदान-डेनियल को हराया। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है और इसकी इनामी राशि 350,000 डॉलर है। अन्य बाजियों में पोलैंड के डूडा जान क्रिस्टोफ ने अमेरिका के फाबियानो करुआना के साथ ड्रॉ खेला जबकि अमेरिका के लिए लेवोन अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ अंक बांटे।

आर्सेनल को हराकर पीएसजी चैंपियंस लीग के फाइनल में

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एक के बाद एक हमलों का डटकर सामना करते हुए आक्रामक अंदाज में खेल रहे आर्सेनल को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में उसका सामना इटैलियन क्लब इंटर मिलान से होगा।

सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-0 से जीत हासिल करने वाली पीएसजी की टीम को शुरू में गेंद पर कब्जा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन जवाबी हमलों और गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा के शानदार प्रदर्शन से उसने 3-1 के कुल स्कोर के साथ जीत हासिल करके शान से फाइनल में जगह बनाई। पीएसजी दूसरी बार यूरोप के इस शीर्ष क्लब

टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। वह पांच साल पहले उपविजेता रहा था। उसने सुपरस्टार किलियन एमबाप्पे के रियाल मैड्रिड से जुड़ने के बाद पहले सत्र में ही यह कारनामा किया। पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, मैंने पहले दिन से कहा था कि हमारा लक्ष्य इतिहास बनाने की स्थिति में आने के लिए पर्याप्त मेहनत करना है। यही हमारा लक्ष्य है।

फ्रांस का यह क्लब 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में इंटर मिलान से भिड़कर अपने पहले चैंपियंस लीग खिताब के लिए फिर से प्रयास करेगा। तीन बार के यूरोपीय चैंपियन इंटर मिलान ने प्रतियोगिता के इतिहास के सबसे रोमांचक सेमीफाइनल में से एक में बार्सिलोना को 7-6 के कुल स्कोर से हराया। आर्सेनल के खिलाफ पीएसजी की तरफ से फैबियन रुइज़ ने 27वें मिनट में पहला गोल किया। अचरफ हकीमी ने 72वें मिनट मे स्कोर 2-0 कर दिया। इसके चार मिनट बाद बुकायो साका ने आर्सेनल की तरफ से एकमात्र गोल किया।

एक्टर के बारे में बात करते हुए इमोशनल हुईं जैस्मिन भसीन

सिद्धार्थ शुक्ला खाने के बड़े शौकीन थे

टीवी की टॉप एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन लाखों दिलों पर राज करती हैं। वह बिग बॉस 14 में भी नजर आई थीं। उन्होंने टीवी शो दिल से दिल तक के जरिए घर-घर पहचान बनाई। इस शो में उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ काम किया था। टेलीविजन होस्ट सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए जैस्मिन ने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ बिताए गए पलों के बारे में बताया। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में, जैस्मिन भसीन ने खुलासा किया कि उनके लिए सिद्धार्थ शुक्ला की मौत बेहद चौंकाने वाली थी। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ शुक्ला के साथ मेरी बहुत सारी यादें हैं। हमने दिल से दिल तक के सेट पर खूब मस्ती की है। वह खाने के बड़े शौकीन थे। वह जिंदगी को खुलकर जीते थे। उन्होंने कई मुश्किल सीन में मेरी मदद की है और मोटिवेट किया है। वह हमेशा मेरे लिए खड़े रहते थे। इस दौरान जैस्मिन काफी भावुक हो गई और रोने लगीं। जैस्मिन ने सिद्धार्थ के साथ ज्यादा समय नहीं बिताने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, सब लोग बोलते हैं कि वक्त का कुछ पता नहीं होता... हम सिर्फ बोलते हैं, लेकिन मानते नहीं हैं। यह सच है, सिद्धार्थ के मामले में पता ही नहीं चला और अचानक ऐसी खबर सुनने को मिली। उनके निधन पर चर्चा करना वास्तव में परेशान कर देता है। यही वजह है कि मैं इससे बचती रहती हूं। उन्होंने कहा, जो अच्छे लोग होते हैं, उन्हें भगवान जल्दी बुला लेता है। बिग बॉस के बाद हमारे पास बहुत सी बातें थीं, जिनके बारे में हम बात करना चाहते थे। हम एक-दूसरे से कहते थे- हां मिलते हैं, हां मिलते हैं लेकिन मिलने के लिए समय निकाला ही नहीं और एक दिन वह अचानक इस दुनिया को छोड़ गए। बता दें कि सिद्धार्थ शुक्ला का निधन 2 सितंबर 2021 को हार्ट अटैक के चलते हुआ था। सिद्धार्थ की अचानक मौत ने हर किसी को हैरान कर दिया था। साल 2017 में दिल से दिल तक कलर्स टीवी पर प्रसारित होता था।

मंजरी फडनिस इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो आर्मी बैकग्राउंड की होने के बावजूद टीवी, ओटीटी, नाटक और फिल्मों जैसे हर माध्यम में काम कर चुकी हैं। जाने तू या जाने ना जैसे फिल्म से रातों-रात लोकप्रिय हुई मंजरी को इंडस्ट्री में लंबा इंतजार और संघर्ष करना पड़ा है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म पुणे हाइवे से। मंजरी ने की ढेर सारी बातें।

हीरोइन आवाज उठाती है तो कहते हैं नखरे कर रही

मंजरी मानती हैं कि उनके 20 साल के करियर का संपूर्ण दौर उनके लिए संघर्ष भरा रहा है। वे कहती हैं, मैंने रोज कुआं खोदा और रोज पानी पिया है। खास तौर पर जब आप इस इंडस्ट्री से नहीं आते, तो आपके लिए कोई मशीनरी काम नहीं कर रही होती, तब आप कहीं उपेक्षित हो जाते हैं। मेरी पहली फिल्म जाने तू या जाने ना बहुत बड़ी हिट हुई थी। उस साल मुझे अपनी पहली फिल्म के लिए काफी अवॉर्ड्स मिले थे। सभी मेरी तारीफ़ कर रहे थे, मगर किसी भी निर्देशक ने उसके बाद मुझे ऐसा कोई दमदार रोल नहीं दिया। मैं भी हीरो की फ्रेंड या सेकंड लीड जैसे सपोर्टिंग रोल में टाइपकास्ट नहीं होना चाहती थी। मैं अच्छे किरदारों का इंतजार कर रही थी, जो कभी मेरे पास आए ही नहीं। इस दौरान मैंने कई फिल्मों में काम किया, मगर वो उतनी बड़ी नहीं थी। मेरी मानसिक स्ट्रगल मेरी काफी लंबी चली।

मर्द कई बार पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं

मंजरी फड़नीस उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो लगातार हर माध्यम में महिला प्रधान भूमिकाओं को मजबूती प्रदान करती गई हैं। महिला मुद्दों पर वे कहती हैं, महिलाओं को लेकर दुनिया भर में कई मुद्दे हैं, मगर जब कोई मर्द पावर में होते हैं, तो कई बार वे अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करना चाहते हैं। यह बहुत ही दुर्भायपूर्ण है, मगर कई बार ऐसा होता है। इससे हम सभी को डील करना पड़ता है। कई ऐसे हैं, जिनके पास अकूत ताकत है, वे मेरी योग्यता के बलबूते पर मेरा भाग्य बदल सकते हैं, मगर वे गलत कारण चुनते हैं और मैं उन वजहों को साफ तौर पर नकार देती हूं। मैं यही नहीं कहूंगी कि मैं शिकार हूं, अगर मैं पीड़ित होती, तो हार मान चुकी होती।

इंडस्ट्री में पे पैरिटी आम बात है

पे पैरिटी इंडस्ट्री का कड़वा सच्चा है। मंजरी कहती हैं, देखिए व्यक्तिगत रूप से मुझे कभी किसी हीनता का सामना नहीं करना पड़ा है, मगर हम सभी जानते हैं कि हमारे क्षेत्र में कितनी असमानता है। जिस तरह हीरो को ट्रीट किया जाता है, हीरोइन को नहीं। जो चीज निर्माता को हीरो बोल सकता है दृढ़ता से, वो हीरोइन नहीं। हीरोइन अगर कुछ बोलेगी, तो उसके बारे में कहा जाएगा कि वो नखरे दिखा रही है, टैंट्रम्स थ्रो कर रही है। फिर आपको आगे काम नहीं मिलता, जाहिर-सी बात है इंडस्ट्री काफी छोटी है, एक बार आप पर किसी तरह का टैग लग जाता है, तो फिर आप उसमें फंस जाते हो। पे पैरिटी तो आम बात है। मुझे याद है, मैं एक प्रॉजेक्ट में 365 लगातार काम कर रही थी, पूरा प्रोजेक्ट मुझ पर आधारित था। उस फिल्म में तीन अन्य एक्टर्स थे, जिसमें से एक एक्टर का एक गाना हिट हुआ था और उसे मुझसे डबल मेहनताना मिला, जबकि उसकी शूटिंग के दिन भी काफी कम थे।

अच्छा रोल नहीं मिला तो इंडस्ट्री छोड़ दूंगी

आज इंडस्ट्री में डेढ़ दसाहक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी मंजरी के करियर में एक दौर ऐसा भी आया, जब उन्होंने दो साल का ब्रेक लिया था। वे कारण बताती हैं, ये 2017 की बात है, मैं ऐसे दौर से गुजर रही थी, जहां मुझे प्रोफेशनली ऐसी भूमिकाएं मिल रही थीं, जिनसे मैं खुश नहीं थी। एक ही तरह के रोल आ रहे थे, स्वीट गर्ल, ए गर्ल नेक्स्ट डोर आदि।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने दिखाया असली रंग

हिंदुस्तान की स्ट्राइक से बौखलाकर कही ऐसी बात

भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक कर उन्हें तबाह कर दिया। सेना की इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया। अब इस पर पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने अपने अंदर के नफरती जहर को उगला है। 15 दिन पहले पाकिस्तान के आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम पर आतंकी हमला किया था, जिसमें 26 भारतीय मासूमों की जान चली गई थी। अब भारत ने जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है, इस ऑपरेशन की सराहना पूरा देश कर रहा है। इसी बीच पाकिस्तानियों को यह घटना रास नहीं आ रही है, जिस कड़ी में पाक एक्ट्रेस माहिरा खान का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भारत के खिलाफ अपना जहर उगला है।

➢बिना किसी सबूत के पाकिस्तान को ठहराया गलत

पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसका स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उनकी नफरत भरी मानसिकता देखी जा सकती है। उन्होंने लिखा कि वह बहुत सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे देश में रहती हैं, जहां उन्हें अपनी बात कहने के लिए रोका नहीं जाता। आगे उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को बिना सबूत के गलत ठहराया जाता है। इसके अलावा उन्हें भारत द्वारा की गई यह कार्रवाई पसंद नहीं आई, इसकी एक्ट्रेस ने निंदा की है।

➢भारत नफरत की बात करता है

अभिनेत्री माहिरा खान नफरत के जहर में इस कदर डूबी हुई हैं कि वो इतने पर भी नहीं रुकी। उन्होंने आगे अपनी स्टोरी में लिखा कि भारत देश सालों से नफरत और युद्ध की बातें करता रहा है, जिसे उन्होंने अपनी आंखों से देखा है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा कि भारत की मीडिया बांटने का काम करती है। साथ ही उन्होंने जहर उगलते हुए कहा कि भारत की सबसे शक्तिशाली आवाज हमेशा नरसंहार और युद्ध के वक्त चुप रहती है, जो दिखाती है कि वो कानून के कारण नहीं बल्कि डर से चुप हैं। ये भारत की जीत नहीं, बल्कि सबसे बड़ी हार है।

➢एक्ट्रेस ने कहा- शर्म आनी चाहिए

माहिरा खान इस तरह बिलबिलाई हुई हैं कि उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है कि वो क्या बोल रही हैं। अभिनेत्री ने कहा कि भारत आधी रात को शहर पर हमला करता है और कहता है कि वह जीत गया, शर्म आनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पाकिस्तान उकसावे में ना आए और शांति बनी रहे।

बोमन के बाद

'तन्वी द ग्रेट' में जैकी श्रॉफ की एंट्री, अनुपम ने दिखाई 'ब्रिगेडियर जोशी' की झलक

निर्देशक, अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' सिनेमाघरों में रिलीज़ को तैयार है। इस बीच खेर सोशल मीडिया पर आए दिन पोस्ट शेयर कर कभी कहानी तो कभी कलाकारों से दर्शकों को रूबरू करा रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने बताया कि अभिनेता जैकी श्रॉफ भी फिल्म का हिस्सा हैं। अनुपम खेर ने जैकी के फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ किरदार से भी पर्दा उठाया। इंस्टाग्राम पर जैकी श्रॉफ के पोस्टर के साथ अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर्सज मेरे दोस्त जैकी श्रॉफ मेरे भाई जैसे हैं। हमने न केवल कई फिल्मों में साथ काम किया, बल्कि हम रिश्तेदार भी हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी पत्नी आयशा श्रॉफ मुझे 30 साल से भी ज्यादा समय से राखी बांधती आ रही हैं। जैकी के पास गोल्डन हार्ट है। उनका दूसरा नाम प्यार कह सकते हैं। खेर ने जैकी से जुड़े एक किस्से को भी सुनाया। उन्होंने लिखा, एक दिन जैकी मेरे घर अचानक आ गए। उन दिनों मैं फिल्म के किरदारों पर काम कर रहा था और मैंने 'तन्वी द ग्रेट' की कास्टिंग नहीं की थी! घर पर आए जैकी को मैंने कुछ रिकॉर्ड किए गाने सुनाए। जिन्हें सुनने के बाद वह काफी देर तक चुप रहे, फिर उन्होंने मुझे गले लगा लिया और कहा, मेरे बिना यह फिल्म मत बनाना। फिल्म में जैकी श्रॉफ के किरदार का जिक्र करते हुए खेर ने बताया, ब्रिगेडियर जोशी का किरदार भारतीय सेना अधिकारी की तरह है। वह मजबूत, निर्णायक और फिर विनम्र है। उनके किरदार को वर्षों याद रखा जाएगा! निस्वार्थ दोस्ती और शानदार अभिनय के लिए धन्यवाद श्रॉफ।

तमन्ना भाटिया की ओडेला 2 की ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंट्री

तमन्ना भाटिया की फिल्म ओडेला 2 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं कि इसका कलेक्शन दमदार होगा, लेकिन यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आई और बॉक्स ऑफिस पर घाटे में रही। अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे रही है। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया है। अमेजन प्राइम पर यह हिंदी और तमिल भाषा में उपलब्ध है। अमेजन प्राइम ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा, वह प्रचंड है, वह अजेय है, वह शिव शक्ति है। पोस्ट के आगे ओडेला 2 ऑन प्राइम का हैशटैग भी जोड़ा गया। फिल्म में हेबाह पटेल, वशिष्ठ एन सिम्हा, सुरेंद्र रेड्डी, नागा महेश, वुवा, वामशी, भूपाल, गगन विहारी और पूजा रेड्डी ने भी अहम भूमिका निभाई है। वहीं निर्देशन की कमान अशोक तेजा ने संभाली है। इसे संपत नंदी ने लिखा है। ओडेला 2 साल 2022 में आई फिल्म ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया एक शिव भक्त की भूमिका में हैं, जो बुराई का सफाया करती हैं। फिल्म की कहानी ओडेला नामक एक पिछड़े गांव की है। यह गांव अपने रहस्यमय और आध्यात्मिक माहौल के लिए जाना जाता है, लेकिन क्रूर हत्याएं इस शांतिपूर्ण गांव को हिला देती हैं।

मां की सच्ची जिम्मेदारी बच्चों को जिंदगी के लिए तैयार करना है- भाग्यश्री

मां बनना दुनिया का सबसे खास एहसास है। मां और बच्चे का रिश्ता शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। इस रिश्ते को सेलिब्रेट करने के लिए हर साल मदर्स डे मनाया जाता है। इस साल यह दिन 11 मई को मनाया जाएगा। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनकी पुरानी तस्वीरें नजर आ रही हैं। ये फोटो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

इन दिनों भाग्यश्री पति और बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैमिली फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उनके दोनों बच्चे, बेटा अभिमन्यु और बेटी अवंतिका, भी काफी क्यूट नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने अवंतिका को गोद में उठाया हुआ है, जबकि अभिमन्यु बाइक पर बैठे दिख रहे हैं। लुक की बात करें तो भाग्यश्री ने ब्लैक टॉप पहना हुआ है और आखों पर सनग्लासेस हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा- ÷मदर्स डे से एक हफ्ते पहले। मेरे

बच्चे मेरी पूरी दुनिया हैं और उनके लिए मैं कुछ भी कर सकती हूं। लेकिन अगर सच में मैं ऐसा करूं, तो मैं एक अच्छी मां नहीं बन पाऊंगी। बच्चों की हर जरूरत को पूरा करना जरूरी नहीं है। मां की सच्ची जिम्मेदारी है उन्हें जिंदगी के लिए तैयार करना। बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाना चाहिए, ताकि वे अपनी गलतियों से सीखें, गिरें और खुद उठें, मुश्किलों से लड़ें और ज़रूरतमंदों की मदद करें। जब बच्चा चलना सीखता है, तो हम उसकी उंगली पकड़ते हैं। लेकिन अगर हमें उन्हें दौड़ते हुए देखना है, तो हमें उंगली छोड़नी होगी। सिर्फ उनकी जरूरतें पूरी करना ही प्यार नहीं है, बल्कि उन्हें जीने का तरीका सिखाना असली ममता है। आज की दुनिया बिलकुल जंगल जैसी चुनौतीपूर्ण है। यहां सिर्फ वही टिकता है जो लड़ना जानता है और इसके लिए जरूरी है कि आपके बच्चे लायन किंग बनें। इससे पहले भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उनके पति हिमालय दासानी ने एक्ट्रेस के नाम की मेहंदी अपने हाथों में लगवाई हुई थी।

भाग्यश्री ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो को देख साफ प्रतीत होता है कि यह किसी शादी का है, जिसका हिस्सा दोनों बने हैं। एक्ट्रेस अपने पति हिमालय के हाथ पर लगी मेहंदी को कैमरे की ओर दिखा रही हैं। यह रोमांटिक पल उन्हें कितना पसंद आ रहा है, इसका अंदाजा आप उनके चेहरे पर आई मुस्कुराहट से लगा सकते हैं। खुशी के चलते उनका चेहरा खिल उठा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, मेहंदी लगाके रखना! शादियों में डेट नाइट्स। एक्ट्रेस ने वीडियो के बैकग्राउंड में शाहरुख खान और काजोल की फिल्म दिलवाले दुल्हिनयां ले जाएंगे का गाना मेहंदी लगाके रखना जोड़ा।

भूल चूक माफ के निर्देशक बोले-

मैंने सिर्फ बुनियाद तैयार की, जान तो राजकुमार-वामिका ने ही डाली

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म भूल चूक माफ काफी चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया और वे इसे देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। फिल्म के निर्देशक करण शर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए राजकुमार और वामिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से फिल्म में जान आ गई। उनकी एक्टिंग और मौजूदगी ने फिल्म को और भी बेहतर और खास बना दिया। आईएएनएस से बात करते हुए निर्देशक ने कहा, जब मैंने कहानी लिखी, तब मैंने केवल उसकी बुनियाद तैयार की थी। लेकिन उस पर जो गहराई और बाकी खूबसूरत चीजें जुड़ीं, वो राजकुमार और वामिका समेत फिल्म में मौजूद कलाकारों की वजह से हुआ। निर्देशक, अभिनेता और पूरी टीम का यह संयुक्त प्रयास है। करण ने आगे कहा, फिल्म सिर्फ एक इंसान की मेहनत से नहीं बनती। जब पूरी टीम मिलकर, एक सोच और एक लक्ष्य पर काम करती है, तभी रिजल्ट अच्छा आता है। सिर्फ एक इंसान कहे कि मैंने सब किया, यह सही नहीं होता। अगर कलाकारों ने अपनी मेहनत और योगदान न दिया होता, तो यह फिल्म वैसी नहीं बन पाती जैसी बनी है। जब वामिका से पूछा गया कि रोमांटिक फिल्म इतनी लोकप्रिय क्यों है, तो इस पर वामिका ने आईएएनएस से कहा, ये सब प्यार की बात है। प्यार ही वो चीज है जो पूरी दुनिया को जोड़ने का माद्दा रखता है। ये फिलिंग्स इंसान को अंदर से अच्छा महसूस कराती हैं। इसलिए रोमांटिक फिल्में सबको पसंद आती हैं, क्योंकि उनमें वो प्यार दिखता है जो हर किसी ने कभी न कभी महसूस किया है। ट्रेलर के मुताबिक, फिल्म की कहानी बनारस की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में राजकुमार राव ने रंजन और वामिका गब्बी ने तितली का किरदार निभाया है।

साभार एजेंसी